RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 312 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार »10-06-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 बिहार के मुख्यमंत्री 'ओछी राजनीति' कर रहे हैं : तेजस्वी

6 भारत रूस संबंधों की अहमियत को पुतिन ने फिर समझा दिया

7 एकता कपूर : टैलेंट पहचानने से ट्रेंड बनाने तक, तीन दशक से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री पर राज

फर्स्ट टेक

नेपाल ने भारत से आम के आयात पर 'अंकुश' लगाए

काठमांडू/भाषा। नेपाल ने कथित रूप से अत्यधिक कीटनाशक पाए जाने और सीमावर्ती क्षेत्रों में 'क्वारंटीन' सुविधाओं के अभाव का हवाला देते हुए भारत से किए जाने वाले आम के आयात पर अंकुश लगा दिया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस रोक के चलते नेपाल के स्थानीय बाजारों में घरेलू स्तर पर उत्पादित आम की उपलब्धता बढ़ गई है। गर्मी के मौसम में आम की मांग आमतौर पर काफी अधिक रहती है। अधिकारियों ने बताया कि सरकार ने ऐसे आमों के आयात पर अंकुश लगाया है जिनमें कीटनाशकों की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक पाई गई और इसके साथ ही सीमावर्ती इलाकों में पर्याप्त 'क्वारंटीन' सुविधाओं की कमी भी इस फैसले का एक प्रमुख कारण है।

फिलीपीन में आए भूकंप में 37 लोगों की मौत, 32,000 लोग विस्थापित

जनरल सैंटोस (फिलीपीन)/एपी। दक्षिणी फिलीपीन में सोमवार को आए भूकंप में कम से कम 37 लोग मारे गए और 32,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए। हालांकि क्षतिग्रस्त इमारतों में फंसे लोगों की तलाश के लिए बचाव अभियान मंगलवार को भी जारी रहा और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी व्यक्ति मलबे में फंसा न रहे। फिलीपीन में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का भूकंप आया। दक्षिणी प्रांतों के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार केवल चार लोग लापता बताए गए थे लेकिन नागरिक सुरक्षा कार्यालय ने माना कि संभावित जीवित बचे लोगों या हताहतों की तलाश के लिए कई ढह चुकी और बुरी तरह क्षतिग्रस्त इमारतों का गहन निरीक्षण करने की जरूरत है। भूकंप का केंद्र फिलीपीन के दूसरे सबसे अधिक आबादी वाले द्वीप मिंडानाओ के पास था। इस भूकंप से लगभग 500 लोग घायल हुए और 32,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए जिनमें से अधिकतर ने आपातकालीन आश्रयस्थलों में शरण ली।

कांगो में इबोला के 550 मामलों में से 101 मरीजों की मौत

बुनिया/एपी। पूर्वी कांगो में इबोला का प्रकोप घोषित होने के एक महीने से भी कम समय में इसके संक्रमण से मृतकों की संख्या बढ़कर 100 से अधिक हो गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, अब तक इबोला वायरस के संक्रमण के कुल 550 मामलों की पुष्टि हुई है। इनमें से 101 लोगों की मौत हो गई और 19 मरीजों के ठीक होने की पुष्टि की गई है। यह प्रकोप मुख्य रूप से कांगो के पूर्वी प्रांत इटुरी में केंद्रित है, जहां कुल मामलों के 90 प्रतिशत से अधिक दर्ज किए गए हैं।

10-06-2026 सूर्यास्त	11-06-2026 सूर्योदय
6:34 बजे	5:42 बजे

BSE	NSE
73,918.76	23,242.10
(+394.50)	(+119.10)

सोना	चांदी
15,771 रु.	255,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बयानबाज नेता

जिस भी दल का हूं मैं प्रहरी,
वो निशान देता हूं।
तीर सदा अपने ही रख कर,
तब कमान देता हूं।
वापिस भी ले सकता हूं फिर,
जो बयान देता हूं।
मैं नेता हूं जो वादों की,
बस जुबान देता हूं।।

देश के प्रति निष्ठा नहीं रखने वालों के लिए भारत 'धर्मशाला' नहीं : योगी आदित्यनाथ

■ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'लव जिहाद', धर्मांतरण की साजिशों और 'लैंड जिहाद' को लेकर चेतावनी दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि जिनके मन में देश के प्रति आस्था व निष्ठा नहीं है और जो यहां के संस्कारों का सम्मान नहीं कर सकते, उनके लिए भारत की धरती 'धर्मशाला' नहीं हो सकती।

मुख्यमंत्री ने 'लव जिहाद', धर्मांतरण की साजिशों और 'लैंड जिहाद' को लेकर चेतावनी दी।

योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में आयोजित नौ दिवसीय श्री राम कथा महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान राम के आदर्श उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक देश को एकजुट करते हैं। इस श्री राम कथा का वाचन तुलसीपीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य द्वारा किया गया। उन्होंने कहा, ''तोड़ने वाली ताकतें जाति, भाषा, क्षेत्र के नाम पर विभाजित करने की चेष्टा करेंगी, लेकिन भारत की संत शक्ति समाज को एकजुट कर देश को आगे ले जाना चाहती हैं। व्यासपीठ द्वारा जिस मर्म को समझाने का प्रयास किया गया, हमें उसे आत्मसात करना होगा। कथा केवल सुनने की नहीं, बल्कि अंगीकार करने की महत्वपूर्ण कड़ी का हिस्सा है।''

योगी ने श्रद्धालुओं से कहा कि जो भी प्रभु के सान्निध्य में आया, वह दैवीय आपदा से मुक्त रहता है। उन्होंने कामना की कि हर श्रद्धालु का जीवन सुख व समृद्ध के साथ बढ़ता रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संतों ने श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन को जन्म-मरण का प्रश्न बनाया था। संत इसका श्रेय नहीं चाहते थे, वे सिर्फ इसलिए अभियान से जुड़े क्योंकि भारतीय परंपरा, विरासत में मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम सभी के आदर्श हैं और राम नाम में जीवन की हर समस्या का समाधान है। उन्होंने कहा, ''राजनीति व पूर्वाग्रह से ग्रसित कुछ चुनिंदा नामों को छोड़ दें तो हर भारतवासी, जिसके अंदर भारत का डीएनए है, उसने भगवान राम के आदर्शों को जीवन का हिस्सा बनाया है। मर्यादा पुरुषोत्तम का नाम उत्तर से दक्षिण व पूरब से पश्चिम तक हर भारतीय को जोड़ने का सामर्थ्य रखता है।''

ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0:

398 करोड़ के साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क का भंडाफोड़, 14 गिरफ्तार

पाटन/भाषा। गुजरात के पाटन जिले से पुलिस ने ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 के तहत 14 लोगों को गिरफ्तार करते हुए एक साइबर धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जिसमें 228 अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी शिकायतों से जुड़े 13 म्यूल खातों के माध्यम से 398.43 करोड़ रुपए के अवैध लेनदेन शामिल थे। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। 'म्यूल' बैंक खाते ऐसे खाते होते हैं, जिनका इस्तेमाल अपराधी खाताधारकों की जानकारी के बिना या कभी-कभी उसकी मिलीभगत से अवैध धन लेन-देन या धनशोधन के लिए करते हैं।

विशेष पुलिस इकाई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय को महिलाओं की सुरक्षा को और सशक्त बनाने के उद्देश्य से गठित विशेष पुलिस इकाई 'सिंगाप्पेन' के उद्घाटन समारोह के दौरान मंगलवार, को चेन्नई में राज्य के डीजीपी महेश कुमार अग्रवाल (दाएं) स्मृति चिह्न भेंट करते हुए।

पहले काम का अधिकार छीना, अब निवाला भी छीन रही है मोदी सरकार : मल्लिकार्जुन खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर की वार्षिक सीमा नौ से घटाकर चार किए जाने को लेकर मंगलवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने पहले ग़रीब से मनरेगा के तहत काम का अधिकार छीना और अब रोटी का निवाला भी छीन रही है।

सरकार ने हाल में उज्ज्वला योजना के तहत सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर की वार्षिक सीमा नौ से घटाकर चार कर दी है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने सोमवार को कहा कि यह बदलाव औसत घरेलू खपत को ध्यान में रखते हुए किया गया है। वर्ष 2016 में शुरू हुई इस योजना के तहत पहले लाभार्थियों को साल में 14.2 किलोग्राम के 12 सिलेंडर सब्सिडी पर मिलते थे। हालांकि, पिछले साल सब्सिडी वाले सिलेंडर की संख्या घटाकर नौ कर गई थी, जिसे अब और भी घटाकर चार कर दिया गया है।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी सरकार के 12 सालों में ग़रीबी घटाने के अभियान की वास्तविकता है कि पहले ग़रीब से मनरेगा के तहत काम का अधिकार छीना, अब रोटी का निवाला भी छीना जा रहा है।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया

मोदी सरकार ने महिलाओं को जहरीले धुएं की तरफ धकेला

> उज्ज्वला योजना में सब्सिडी वाले सिलेंडरों की संख्या 9 से घटाकर चार कर दी गई। उस पर पिछले 3 महीनों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम 89 रुपए बढ़ा दिए गए, मतलब, पहले दाम बढ़ाओ, फिर सब्सिडी घटाओ, गरीबों का चूल्हा बुझाओ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उज्ज्वजा योजना के तहत सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडरों की संख्या नौ से घटाकर चार किए जाने को लेकर मंगलवार को आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने अपनी आर्थिक नीतियों से लाखों गरीब परिवारों एवं महिलाओं को लकड़ी के जहरीले धुएं की तरफ धकेल दिया है। उन्होंने दावा किया कि अरबपति मित्रों को लाखों करोड़ों की कर्ज़माफ़ी दिलाना और गरीबों को अपनी नाकामियों का बिल थमाना, ये ''लूट का मोदी मॉडल'' है।

सरकार ने हाल में उज्ज्वला योजना के तहत सब्सिडी वाले रसोई गैस सिलेंडर की वार्षिक सीमा नौ से घटाकर चार कर दी है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने सोमवार को कहा कि यह बदलाव औसत घरेलू खपत को ध्यान में रखते हुए किया गया है। वर्ष 2016 में शुरू हुई इस योजना के तहत पहले लाभार्थियों को साल में 14.2 किलोग्राम के 12 सिलेंडर सब्सिडी पर मिलते थे। हालांकि, पिछले साल सब्सिडी वाले सिलेंडर की संख्या घटाकर नौ कर गई थी, जिसे अब और भी घटाकर चार कर दिया गया है।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''12 वर्षों की गरीब-विरोधी आर्थिक नीतियों और कम्प्रोमाइज्ड विदेश नीति ने आज देश को ऐसे हालात में ला खड़ा कर दिया है जहां लाखों गरीब परिवारों और महिलाओं को लकड़ी के ज़हरीले धुएं की तरफ धकेल दिया गया है।''

ओमान तट के पास वाणिज्यिक पोत पर हमला

भारतीय चालक दल के 24 सदस्य बचाए गए : आईसीजी

नई दिल्ली/भाषा। ओमान के तट के पास पलाऊ के ध्वज वाले एक वाणिज्यिक टैंकर पर हुए ''मिसाइल हमले'' के बाद ओमान के अधिकारियों के समन्वय से पोत पर मौजूद भारतीय चालक दल के 24 सदस्यों को बचा लिया गया। भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आईसीजी ने एक बयान में कहा कि उसके मुंबई स्थित समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) को आठ जून को ओमान के मसिराह तट के पास लंगर डाले टैंकर 'एमटी मारिवेक्स' पर मिसाइल हमले की सूचना मिली। आईसीजी ने बताया कि पोत पर 24 भारतीय नागरिक सवार थे। यह सूचना एमआरसीसी को पोत पर सवार चालक दल के एक सदस्य के रिश्तेदार ने दी थी। बयान में कहा गया है कि सूचना मिलते ही एमआरसीसी ने मिसाइल हमले के बाद भारतीयों के सफल बचाव के लिए ओमान के अधिकारियों के साथ मिलकर काम किया।

नाइजीरिया में 39 लोगों का अपहरण

अबुजा/एपी। उत्तर-पश्चिमी नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने 39 लोगों का अपहरण कर लिया। ये लोग एक डकैत गिरोह के सरगना के परिवार से मुलाकात करने के लिए एकत्र हुए थे। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

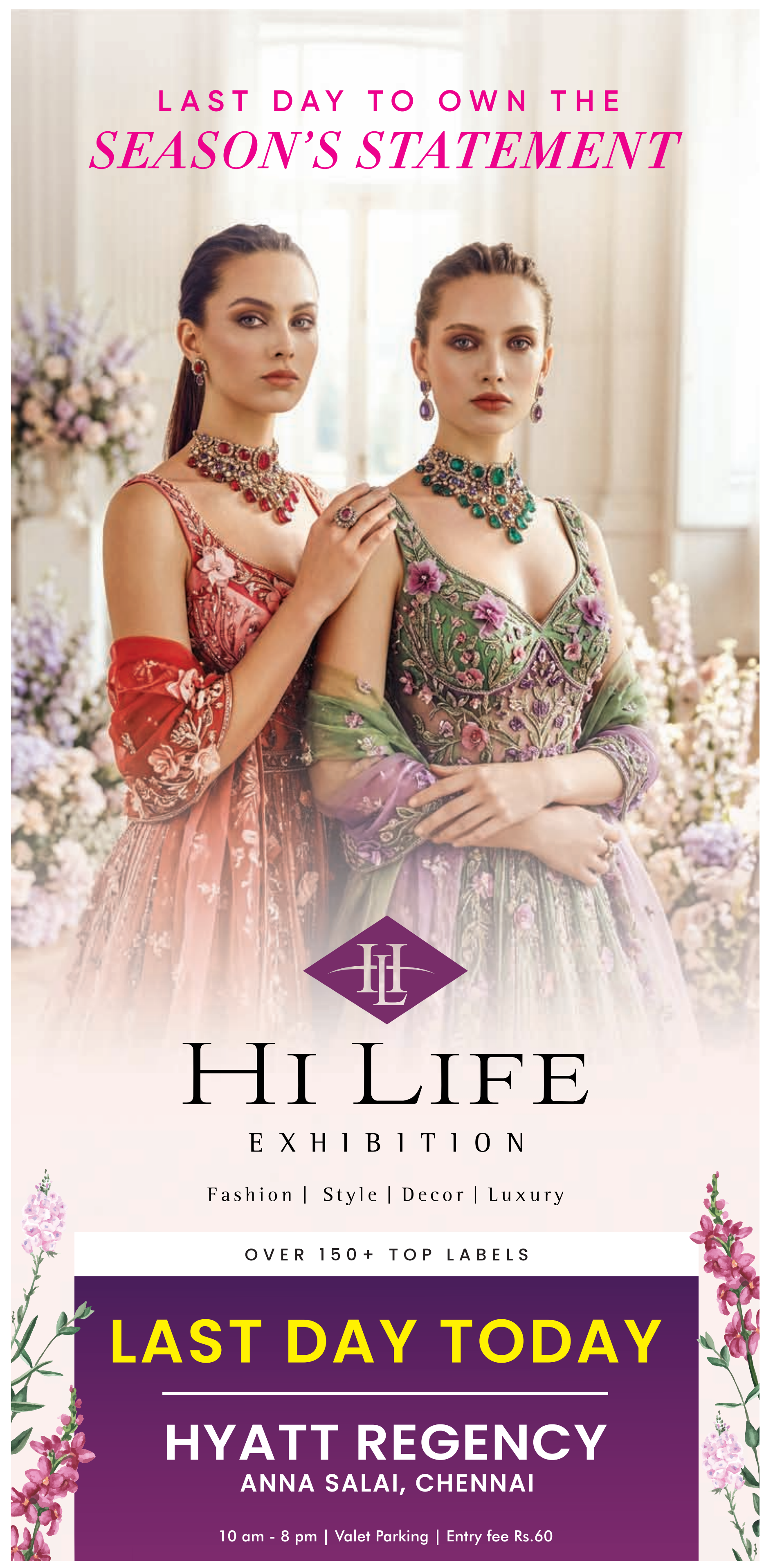

पीओके में हुई जानलेवा हिंसा पर

पाकिस्तान को जवाबदेह ठहराए वैश्विक समुदाय : भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में लोगों के साथ की गई बर्बरता के लिए भारत ने मंगलवार को इस्लामाबाद की कड़ी आलोचना की और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से उसे उसके अत्याचारों के लिए जवाबदेह ठहराने का आह्वान किया। पीओके के कई इलाकों में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई में कथित तौर पर 20 से ज़्यादा लोगों की मौत के बाद भारत की प्रतिक्रिया आई है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान की आलोचना करते हुए कहा कि इस्लामाबाद ने अपनी नाकामियों को छिपाने और मानवाधिकारों के कथित उल्लंघन से ध्यान भटकाने की हताशा भरी कोशिशें की हैं। उन्होंने कहा, इस संदर्भ में, हम पाकिस्तान से आने वाली फेक न्यूज और वीडियो का एक चलन लगातार देख रहे हैं। यह पाकिस्तान की अपनी नाकामियों को छिपाने और मानवाधिकारों के उल्लंघन से ध्यान भटकाने की एक हताशा भरी कोशिश है।

जायसवाल ने कहा, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में पुलिस की भारी बर्बरता की खबरें हैं, जिसमें कई प्रदर्शनकारी मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं। हमें उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तान को उसके गलत कामों और ज्यादतियों के लिए जवाबदेह ठहराएगा।

वह प्रेस वार्ता में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे।

भारत की यह प्रतिक्रिया पाकिस्तान के मानवाधिकार निकाय के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उसने पीओके में हिंसक झड़पों के दौरान जारी हिंसा पर गहरी चिंता जताई है।

पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने तथाकथित क्षेत्रीय सरकार के उस फ़ैसले पर भी गंभीर चिंता जताई है, जिसके तहत आतंकवाद-रोधी क़ानून के तहत 'ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी' (जेएएसी) पर प्रतिबंध लगाया गया है। जेएएसी लंबे समय से पीओके की तथाकथित विधानसभा में 12 शरणार्थी सीट को खत्म करने की मांग कर रहा है।

ये सीट कश्मीर के उन शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं जो 1947 के बाद पाकिस्तान में बस गए थे। जेएएसी का आरोप है कि पाकिस्तान की मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टियां अक्सर मुजफ्फराबाद में सरकार गठन की प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए इन सीट का इस्तेमाल करती थीं।

जोजिला सुरंग : आज का दिन भारत के अवसंरचना इतिहास में स्वर्णिम दिन : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मिनीमर्ग (लद्दाख)/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को जोजिला सुरंग के निर्माण में मिली सफलता को देश के अवसंरचना इतिहास का स्वर्णिम दिन बताया और कहा कि यह परियोजना जम्मू–कश्मीर व लद्दाख के लोगों के लिए जीवन रेखा साबित होगी। गडकरी ने सुरंग के निर्माण में मिली सफलता के बाद कहा, आज भारत के अवसंरचना इतिहास का स्वर्णिम दिन है। मुझे खुशी है कि 14 किलोमीटर लंबी, अत्याधुनिक तकनीक से निर्मित, विश्व की सबसे लंबी सुरंग जम्मू–कश्मीर और लद्दाख के लोगों के लिए जीवन रेखा बनेगी। उन्होंने कहा कि जोजिला सुरंग परियोजना फरवरी 2028 तक पूरा हो जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह जम्मू–कश्मीर और लद्दाख के लोगों के लिए एक अनमोल तोहफा है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने परियोजना के इंजीनियरों और श्रमिकों को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने कड़ाके की ठंड व कठिन परिस्थितियों में काम किया है। उन्होंने कहा, इससे हर मौसम में आवागमन संभव हो सकेगा। सुरंग में सभी सुरक्षा सुविधाएं मौजूद हैं और इस परियोजना से स्थानीय लोगों को रोजगार मिला है। गडकरी ने बताया कि कुल लागत लगभग 7,000 करोड़ रुपए होने से 5,000 करोड़ रुपए की बचत हुई है, जो अनुमानित लागत 12,000 करोड़ रुपए से कम है।

जोजीला सुरंग लद्दाख के लिए अहम बदलाव लाने वाली साबित होगी : उपराज्यपाल सक्सेना

लेह/भाषा। लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने जोजीला सुरंग में मिली ऐतिहासिक सफलता को केंद्र–शासित प्रदेश के लिए अहम बदलाव लाने वाली उपलब्धि करार दिया। यह सुरंग संपर्क में सुधार करेगी और क्षेत्र के विकास को रफ्तार देगी। सक्सेना ने जोजीला सुरंग को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी परियोजना बताया। उन्होंने कहा कि यह सुरंग लद्दाख और भारत के बाकी हिस्सों के बीच सालभर संपर्क प्रदान करेगी तथा सीमावर्ती क्षेत्रों तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार लाएगी।

उमर ने जोजिला सुरंग की उपलब्धि का स्वागत किया, गडकरी से विमान सेवा की अपील की

मिनिमर्ग (लद्दाख)/भाषा। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से अपील की कि वह कारगिल के लिए सीधी हवाई सेवा शुरू कराने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करें।

यहां जोजिला सुरंग का निर्माण पूरा होने से संबंधित समारोह में अब्दुल्ला ने कहा, ''मैं लद्दाख के लोगों को बधाई देता हूं और इस उपलब्धि के लिए गडकरी और मंत्रालय में उनके अधिकारियों को धन्यवाद देता हूं, जो हमें हर मौसम में संपर्क के सपने के करीब ले जाएगी।'' लद्दाख के लोगों का एक सपना पूरा होने के करीब है, लेकिन दूसरा सपना–कारगिल के लिए सीधी और नियमित हवाई सेवा–अभी साकार होना बाकी है। उन्होंने कहा, एक और सपना साकार होना बाकी है, यानी कारगिल के लिए नियमित और सीधी हवाई सेवा। मैंने कोशिश की थी, लेकिन सफलता नहीं मिली। यह कारगिल के लोगों की पुरानी मांग है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री गडकरी से अपील करते हुए अब्दुल्ला ने कहा, आप ऊर्जावान व कर्मठ व्यक्ति हैं। इसलिए मैं निवेदन करता हूं कृपया इस आकांक्षा को साकार करने में भी अपना प्रभाव इस्तेमाल कीजिए। बेहतर हवाई सेवा और सड़क संपर्क इस क्षेत्र को बहुत लाभ पहुंचाएंगे।

महाराष्ट्र सरकार ने नवी मुंबई मेट्रो के विस्तार को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र सरकार ने 22,611 करोड़ रुपए की अवसंरचना परियोजनाओं को मंगलवार को मंजूरी दे दी, जिनमें घोड़बंदर रोड और भायंदर को जोड़ने वाली सुरंग तथा 'एलिवेटेड कॉरिडोर' के अलावा नवी मुंबई मेट्रो का विस्तार भी शामिल है। इस विस्तार के तहत लाइन–2 के जरिए नवी मुंबई मेट्रो को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जोड़ा जाएगा।

इन फैसलों को मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में संपर्क व्यवस्था बेहतर बनाने और यातायात जाम कम करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इन परियोजनाओं को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल की अवसंरचना समिति ने मंजूरी दी। कुल व्यय में से 17,036 करोड़ रुपए की परियोजनाएं गायमुख और फाउंटेन होटल के बीच छह लेन वाली सुरंग तथा फाउंटेन होटल से भायंदर तक छह लेन वाले एलिवेटेड कॉरिडोर से संबंधित हैं। वहीं, नवी मुंबई मेट्रो लाइन–1ए और लाइन–2 के लिए 5,575 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं से क्षेत्र में परिवहन तेज, अधिक सुगम और यात्रियों के अनुकूल होगा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, 14 मीटर व्यास वाली सुरंग का निर्माण 'टनल बोरिंग मशीन' (टीबीएम) प्रौद्योगिकी से किया जाएगा। इसके करीब पांच साल में पूरा हो जाने की उम्मीद है।

वसई क्रीक के समानांतर बनने वाला 'एलिवेटेड कॉरिडोर' 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से यातायात के आवागमन की सुविधा देगा।

चेनानी-नाशरी खंड पर दो नई 'ट्यूब सुरंगों' को मंजूरी मिली: जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को घोषणा की कि उधमपुर को रामबन जिले से जोड़ने वाले चेनानी–नाशरी खंड पर मौजूदा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सुरंग के समानांतर दो–लेन वाली 'ट्यूब सुरंगों' के निर्माण के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। सिंह ने इस घटनाक्रम को ''उधमपुर के लिए एक और अच्छी खबर'' बताया और प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान करने के लिए केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इससे जम्मू–श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बढ़ते यातायात भार को कम करने में मदद मिलेगी।

सिंह ने 'एक्स' पर कहा, ''भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का धन्यवाद, जिन्होंने हमारे अनुरोध को स्वीकार करते हुए जम्मू कश्मीर में एनएच–44 पर चेनानी–नाशरी मार्ग पर मौजूदा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सुरंग के समानांतर एक नई दो–लेन वाली 'ट्यूब सुरंग' के निर्माण का प्रस्ताव रखा है। इससे इस खंड पर बढ़ते यातायात की भीड़ कम होगी और यात्रा सुगम होगी।''

सरकार ने अल-नीनो से प्रभावित होने वाले संभावित जिलों की पहचान की, आपात योजना बनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सरकार ने देश भर में 197 ऐसे जिलों की पहचान की है जो अल–नीनो के असर से सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं। मंत्रालय ने हर राज्य के लिए आपातकालीन योजनाएं तैयार की हैं। उन्होंने कहा कि मंत्रालय किसानों तक पहुंचने के लिए ''खेत बचाओ अभियान'' नाम से एक देशव्यापी जागरूकता अभियान भी चला रहा है।

चौहान ने पत्रकारों से कहा, ''अल–नीनो को लेकर चिंता मेरे मन में हर समय रहती है। पक्के तौर पर तो नहीं, लेकिन 197 जिलों की पहचान सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले जिलों के तौर पर की गई है।'' मंत्रालय अल–नीनो की स्थिति का आकलन करने के लिए हर सप्ताह बैठकें कर रहा है और हालात बिगड़ने पर तेजी से निपटने के लिए बीज समेत खेती से जुड़ी जरूरी चीजों का स्टॉक भी तैयार रखा है। उन्होंने कहा, ''हमने हर राज्य के लिए एक आपातकालीन योजना तैयार की है। इससे निपटने के लिए हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।'' अल–नीनो मौसम से जुड़ी एक ऐसी घटना है जो ऐतिहासिक रूप से कमजोर मानसून और बारिश में अनिश्चितता से जुड़ी रही है – और इस साल भी यह चिंता बनी हुई है। आईएमडी ने दक्षिण–पश्चिम मानसून के लंबे समय के औसत का लगभग 90% रहने का अनुमान लगाया है, जो सामान्य से कम बारिश वाले मौसम का संकेत है।

टीसीएस में कर्मचारियों की संख्या के बराबर एआई एजेंट होंगे: एन चंद्रशेखरन

नई दिल्ली/भाषा। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने मंगलवार को कहा कि वह दिन दूर नहीं जब टीसीएस के पास कर्मचारियों की संख्या के बराबर कृत्रिम मेधा (एआई) एजेंट होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी की अपने कर्मचारियों की संख्या कम करने की कोई योजना नहीं है। चंद्रशेखरन ने मंगलवार को कंपनी की 31वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए कहा कि टीसीएस आंतरिक परिचालन, समाधान रूपरेखा और ग्राहक के हिसाब से काम के लिए एआई एजेंट बनाने में निवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि टीसीएस लोगों को नौकरी पर रखना जारी रखेगी। एक बार बदलाव हो जाने के बाद, एआई की दुनिया 'बहुत अधिक मौके' पैदा करेगी जिनके लिए नई प्रतिभा की जरूरत होगी।

चंद्रशेखरन ने कहा, ''कंपनी में पांच लाख कर्मचारी हैं। वह दिन दूर नहीं जब कंपनी के पास पांच लाख एआई एजेंट होंगे।'' उन्होंने कहा, ''कर्मचारियों की संख्या कम नहीं की जा रही है। ऐसी कोई योजना नहीं है। हम बस सही प्रतिभा चाहते हैं। हम एजेंट का इस्तेमाल करना चाहते हैं। और हमें बेहतरीन प्रतिभा को आकर्षित करने की जरूरत है...। कर्मचारियों को जोड़ने की रफ्तार वैसी नहीं रहेगी जैसी पहले हुआ करती थी। अगर कंपनी के मानव संसाधन विभाग के पास बड़ी संख्या में प्रतिभा को नियुक्त करने की क्षमता का कोई पैमाना था, तो वह पैमाना खत्म हो जाएगा।''

चेयरमैन ने कहा कि कंपनी के कर्मचारी और एआई एजेंट मिलकर काम करेंगे और यही भविष्य होगा। उन्होंने एआई को टीसीएस के लिए अब तक का सबसे बड़ा मौका बताते हुए इस प्रौद्योगिकी के वित्तीय पैमाने का उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कश्मीर शांति और स्थिरता के नए युग का गवाहः रक्षा राज्य मंत्री सेठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू–कश्मीर में पर्यटकों की बढ़ती संख्या और फिल्म निर्माण के पुनरुद्धार का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कश्मीर शांति, स्थिरता और विकास का गवाह बन रहा है।

पुलवामा जिले में 'अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान' (एम्स) अवंतीपोरा परियोजना की समीक्षा करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा, पिछले साल 2.41 करोड़ पर्यटक जम्मू–कश्मीर आए थे, जबकि इस साल अब तक 1.77 करोड़ पर्यटक यहां का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पहले अधिकतर फिल्मों की शूटिंग कश्मीर में होती थी, लेकिन (1980 के दशक के उत्तरार्ध में अशांति के बाद) इस संख्या में गिरावट आई। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा, लेकिन अब, इसमें फिर से उछाल आया है। सेठ ने बताया कि पिछले साल घाटी में 400 फिल्मों की शूटिंग की गई थी। रक्षा राज्य मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री हमेशा कश्मीर और पूर्वोत्तर का दौरा करने पर जोर देते हैं। हमारा भारत एक है, कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह 1970 के दशक से लगातार कश्मीर का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया, उस दौर के कश्मीर और आज के कश्मीर में बहुत बड़ा अंतर है। यहां बहुत बड़े पैमाने पर विकास हुआ है और इस मामले में पिछले 12 वर्ष अतुलनीय रहे हैं।

धोखाधड़ी से शादी कर कई महिलाओं को ठगने वाला गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे में महिलाओं को फर्जी विवाह और विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगने के आरोप में 37 वर्षीय एक व्यक्ति को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान तेलंगाना निवासी सुरेश रविंद्र के रूप में हुई है, जिसने कथित तौर पर विभिन्न महिलाओं से कुल 90 लाख रुपए की ठगी की।

अधिकारी ने बताया कि आरोपी को उसके खिलाफ जारी लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) के आधार पर रूस से लौटने के बाद नई दिल्ली हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, ठाणे की एक महिला ने पिछले महीने कसारवडावली पुलिस थाने में रविंद्र के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। महिला का आरोप है कि आरोपी ने एक 'मैट्रिमोनियल पोर्टल' के माध्यम से उससे संपर्क किया और विवाह प्रस्ताव स्वीकार किए जाने के बाद मंदिर में फर्जी शादी रचाई। महिला ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने उसे ऑस्ट्रेलिया या रूस में नौकरी दिलाने का वादा कर 48 लाख रुपए ले लिए।

कसारवडावली पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक निवृत्ति कोल्हटकर ने कहा, ''आरोपी ने यह पैसा भारत और विदेश में महंगी यात्राओं, पब और होटलों पर खर्च किया। जब पीड़िता ने अपने पैसे वापस मांगे तो उसने उसके निजी वीडियो सोशल मीडिया पर सार्वजनिक करने की धमकी दी।''

कोल्हटकर ने बताया कि 11 मई को आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318 (धोखाधड़ी), 316 (आपराधिक विश्वासघात), 82 (द्विविवाह) और 77 के अलावा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम तथा दहेज निषेध अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

जांच में पता चला कि आरोपी तेलंगाना के अल्लापुर पुलिस थाने में दर्ज एक अन्य मामले में भी वांछित था। उस पर शादी के बाद एक महिला से 15 लाख रुपए की ठगी करने और उसके मित्रों को यूरोप में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 18 लाख रुपए ठगने का आरोप है।

सीतारमण पश्चिम बंगाल में बैंकों के साथ प्रमुख योजनाओं की समीक्षा करेंगी: सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पश्चिम बंगाल में सार्वजनिक क्षेत्रों एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के साथ जल्द ही जन धन, मुद्रा और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा जैसी प्रमुख सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगी। सरकारी सूत्रों ने यह जानकारी दी। पश्चिम बंगाल में पिछले महीने हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा ने भारी बहुमत के साथ जीत हासिल की थी और 15 वर्षों से शासन कर रही तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया था। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने नई दिल्ली में वित्त मंत्री से मुलाकात की थी। सीतारमण बंगाल में पूंजीगत अवसंरचना को मजबूत करने के मकसद से पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) योजना की भी समीक्षा करेंगी। सूत्रों के अनुसार, वह बंगाल में प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई), मुद्रा, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा और किसान क्रेडिट कार्ड जैसी विभिन्न प्रमुख योजनाओं के व्यापक कार्यान्वयन का आकलन करेंगी।

इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री मई में 81.20% बढ़कर 26,682 इकाई पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की बिक्री में तेज उछाल आया है। इन वाहनों की बिक्री मई में 81.2 प्रतिशत बढ़कर 26,682 इकाई रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 14,725 इकाई थी। खुदरा वाहन उद्योग निकाय फाडा ने मंगलवार को यह कहा।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने एक बयान में कहा कि टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लि. इलेक्ट्रिक यात्री वाहने बेचने के मामले में शीर्ष पर बनी रही। कंपनी की बिक्री पिछले महीने दोगुना होकर 10,340 इकाई रही जो मई, 2025 में 5,083 इकाई थी। घरेलू कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा इस दौरान 6,210 इलेक्ट्रिक वाहन बेचकर दूसरे स्थान पर रही। पिछले साल इसी महीने के 2,891 यूनिट के मुकाबले यह 114.8 प्रतिशत अधिक है। फाडा ने बताया कि जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया पिछले महीने 4,984 इकाई के साथ तीसरे स्थान पर रही, जबकि पिछले महीने इसी महीने में यह आंकड़ा 4,599 इकाई था। इलेक्ट्रिक दोपहिया खंड में कुल बिक्री पिछले महीने 62.76 प्रतिशत बढ़कर 1,70,733 इकाई रही, जबकि मई, 2025 में यह 1,04,896 इकाई थी। टीवीएस मोटर कंपनी ने इस खंड में बढ़त बनाए रखी। कंपनी की बिक्री मई, 2026 में 64.54 प्रतिशत बढ़कर 42,459 इकाई रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 25,804 इकाई थी। फाडा के आंकड़ों के मुताबिक, बजाज ऑटो 39,202 इकाई के साथ दूसरे स्थान पर रही। कंपनी ने पिछले साल इसी महीने में 22,642 वाहन बेचे थे।

महाराष्ट्रः लातूर में बैल की मौत के बाद किसान दंपति हल खींचने को मजबूर

लातूर/भाषा। महाराष्ट्र के लातूर जिले में आकाशीय बिजली की चपेट में आकर बैल की मौत होने के बाद एक किसान दंपति को अपनी जमीन जोतने के लिए हल चलाने के लिए मजबूर होना पड़ा। किसान काशीनाथ गायकवाड़ और उनकी पत्नी आशाबाई एक वायरल वीडियो में खेत जोतते हुए दिखाई दे रहे हैं। नया हल खरीदने के लिए पैसे न होने के कारण उन्हें हल चलाने के लिए मजबूर होना पड़ा। यह दंपति लातूर जिले की देवनी तहसील के निवासी हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा)–शरदचंद्र पवार (शप) विधायक रोहित पवार ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए कहा कि राज्य सरकार को किसान को आर्थिक सहायता प्रदान करनी चाहिए। किसानों की परेशानी को कम करने के लिए बिना शर्त कृषि ऋण माफी की आवश्यकता है।

तेलंगानाः उत्पीड़न के कारण युवती ने आत्महत्या की

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के जगतियाल जिले में उत्पीड़न से परेशान होकर 20 वर्षीय एक युवती ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि युवती को एक युवक कई दिनों से परेशान कर रहा था और उससे शादी करना चाहता था। युवती ने सोमवार को जगतियाल ग्रामीण मंडल स्थित अपने घर में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के आधार पर बताया कि युवती और 20 वर्षीय आरोपी पिछले पांच वर्षों से एक–दूसरे को जानते थे और सहपाठी थे। पुलिस ने बताया कि बाद में किसी मुद्दे को लेकर युवती ने आरोपी युवक से दूरी बना ली थी। युवती के माता–पिता ने हाल ही में अपनी बेटी की शादी किसी और से करने की कोशिश की जिसके बाद आरोपी ने बार–बार उससे फोन कर पूछा कि वह किसी और से शादी क्यों करना चाहती है।

मप्र रास चुनावः सेंधमारी के डर से कांग्रेस के

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मप्र रास चुनाव: संेधमारी के डर से कांग्रेस के विधायकों का पहला जत्था कर्नाटक रवाना

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटों के लिए 18 जून को होने वाले मतदान में क्रॉस वोटिंग से बचने और अपने खेमे को एकजुट रखने के मकसद से कांग्रेस के 35 विधायकों का पहला जत्था एक विशेष विमान से पार्टी शासित कर्नाटक के लिए रवाना हो गया।

कांग्रेस की मध्यप्रदेश इकाई के मीडिया प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मुकेश नायक ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, ''35 विधायकों का पहला जत्था अपने परिवार के सदस्यों के साथ बेंगलूरु के लिए रवाना हो गया जबकि बाकी शाम तक रवाना हो जाएंगे।'' उन्होंने बताया कि विपक्ष के नेता उमंग सिंघार भी कांग्रेस विधायकों के साथ गए हैं।

इससे पहले, सिंघार ने 'पीटीआई–भाषा' से बातचीत में कहा था कि कांग्रेस के सभी विधायकों को पार्टी शासित किसी प्रदेश में ले जाया जाएगा क्योंकि भाजपा उनके विधायकों को कथित तौर पर खरीदने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी के कुछ विधायकों ने उन्हें बताया है कि भाजपा के लोग 'नोटों से भरी थैली' लेकर उनसे संपर्क करने आए थे लेकिन उन्होंने उन्हें लौटा दिया।

सिंघार ने दावा किया कि 18 तारीख को मतदान के दिन भाजपा का सारा 'षड्यंत्र' विफल होगा।

सौंसर से विधायक विजय रेवानाथ चौरे ने बाद में 'पीटीआई–भाषा' से बातचीत में कहा कि सभी विधायक भोपाल से बेंगलूरु जा रहे हैं। उन्होंने भी दावा किया कि भाजपा विधायकों की खरीद फरोख्त के प्रयास कर रही है, इसलिए पार्टी के शीर्ष नेताओं ने विधायकों को एक साथ किसी कांग्रेस शासित राज्य में रखने का फैसला किया है।

राज्य में खाली हुई जिन तीन सीटों पर चुनाव चुनाव हो रहे हैं, उनमें से दो पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत तय मानी जा रही है जबकि संख्या बल के लिहाज से तीसरी

'विश्वगुरु' बनाने का वादा और देश को मिला पेपर लीक और बेतहाशा महंगाई : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 12 साल पूरे होने के मौके पर मंगलवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने भारत को विश्वगुरु बनाने का वादा किया था, लेकिन इतने वर्षों में देश आर्थिक बदहाली, महंगाई, बेरोजगारी, पेपर लीक और सामाजिक विभाजन जैसी चुनौतियों से घिर गया। पार्टी के शोध विभाग के प्रमुख राजीव गौड़ा और मीडिया विभाग में शोध मामलों के प्रभारी अमिताभ दुबे ने अर्थव्यवस्था, महंगाई, विदेश नीति और कई अन्य बिंदुओं का उल्लेख करते हुए मोदी सरकार पर विफलता का आरोप लगाया और कहा कि सिर्फ प्रचार किया जा रहा है, जबकि लोगों के जीवन कोई सार्थक बदलाव नहीं आया।

गौड़ा ने कहा, ''मोदी सरकार ने घोषणा की है कि वह उज्ज्वला लाभार्थियों को दिए जाने वाले एलपीजी सिलेंडरों की संख्या नौ से घटाकर चार कर रही है। ठीक 10

साल पहले, यह घोषणा की गई थी कि भारत की महिलाओं को अब खाना पकाने के खतरनाक और हानिकारक तरीकों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, और उज्ज्वला कार्यक्रम के प्रत्येक लाभार्थी के लिए 12 सिलेंडर देने का वादा किया गया था। तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने की सालगिरह पर प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की महिलाओं और परिवारों के खिलाफ यह प्रहार करने का फैसला किया है।''

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों में वादों के साथ–साथ बड़ी घोषणाएं, बड़े–बड़े बयान और सुर्खियां भी जुड़ी हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि लोगों जीवन में सार्थक बदलाव नहीं आया।

राज्यसभा के पूर्व सदस्य ने कहा, ''कहा गया था कि लोगों को महंगाई से राहत मिलेगी, लेकिन सच्चाई यह है कि 2014 से अब तक एलपीजी का दाम 123 प्रतिशत बढ़ा है। पेट्रोल का दाम 44 प्रतिशत और डीजल का 73 प्रतिशत बढ़ा है। दूध के दाम में 71 प्रतिशत और दाल की कीमत 84 प्रतिशत बढ़ी है।'' कांग्रेस नेता अमिताभ दुबे ने केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाने का वादा किया गया था, लेकिन आज हकीकत सामने है और साफ दिख रहा है कि क्या हालात हैं और दुनिया के एक हिस्से में चल रहे युद्ध का भारत पर कितना असर पड़ रहा है।

पीएमके ने मुख्यमंत्री से राज्य में जाति जनगणना कराने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पट्टालि मक्कल काचि (पीएमके) के नेता डॉ. अंबुमणि रामदास ने मंगलवार को मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय से तमिलनाडु में जाति जनगणना कराने के लिए तत्काल कदम उठाने की अपील की। रामदास ने सचिवालय में मुख्यमंत्री से मुलाकात की और उन्हें एक पत्र सौंपा। बाद में उसकी प्रति मीडिया को जारी की गई।

विजय को सौंपे पत्र में उन्होंने कहा, तमिलनाडु एकमात्र ऐसा राज्य है जिसने सामान्य 50 प्रतिशत की सीमा को पार कर 69 प्रतिशत आरक्षण लागू किया है। यह एकमात्र ऐसा राज्य है जिसने संविधान की नौवीं अनुसूची में इस सीमा को शामिल करने का प्रयास किया था। हालांकि अब यह आरक्षण खतरे में है। उन्होंने बताया कि 69 प्रतिशत आरक्षण को चुनौती देने वाले मामले में उच्चतम न्यायालय ने 13 जुलाई 2010 के अपने फैसले में इसे बरकरार रखा और साथ ही यह निर्देश दिया कि आरक्षण की सही सीमा निर्धारित करने के लिए एक वर्ष के भीतर जाति जनगणना कराई जाए। जाति जनगणना कराए बिना आरक्षण की पुष्टि किए जाने का आरोप लगाते हुए कुछ पक्षों ने 2012 में 69 प्रतिशत की सीमा के खिलाफ फिर से मामले दायर किए।

रामदास ने कहा, ''जब इस साल 27 मई को इन मामलों की सुनवाई हुई, तो उच्चतम न्यायालय ने कुछ संबंधित याचिकाओं को इस आधार पर खारिज कर दिया कि कुछ विद्यार्थी याचिकाकर्ताओं ने अपनी पढ़ाई पूरी कर ली थी, लेकिन दो मुख्य मामले अब भी लंबित हैं।'' उन्होंने कहा, ''इन मामलों की सुनवाई किसी भी समय उच्चतम न्यायालय में हो सकती है।''

पीएमके नेता ने कहा, ''यदि तमिलनाडु जाति जनगणना के माध्यम से यह साबित नहीं कर पाता कि आरक्षित समुदायों की जनसंख्या का अनुपात 69 प्रतिशत आरक्षण को उचित ठहराता है तो इस बात का असल खतरा है कि 69 प्रतिशत की सीमा को रद्द कर दिया जाए। इसलिए, 69 प्रतिशत आरक्षण की रक्षा के लिए तमिलनाडु में जाति आधारित जनगणना (जिसे आमतौर पर सामाजिक न्याय सर्वेक्षण कहा जाता है) कराना आवश्यक है।''

तमिलनाडु में जनगणना की तैयारियां तेज, 1.40 लाख गणनाकर्मियों को महीने के अंत से मिलेगा प्रशिक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु ने जनगणना के लिए बड़े पैमाने पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। 1 से 30 अगस्त के बीच होने वाली घरों की गिनती से पहले, जून के आखिरी सप्ताह से लगभग 1.40 लाख गणनाकर्मियों (एन्यूमरेटर) के लिए एक महीने का ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू होगा। देश के सबसे बड़े प्रशासनिक कामों में से एक, जनगणना के काम में स्कूल के टीचर, कॉर्पोरेशन के कर्मचारी और अलग-अलग सरकारी विभागों के कर्मचारी शामिल होंगे। इन्हें राज्यभर में घर-घर जाकर डेटा इकट्ठा करने के लिए 'एन्यूमरेटर' के तौर पर चुना गया है। अभी लगभग 2,700 जिला-स्तरीय फील्ड ट्रेनर खास ट्रेनिंग ले रहे हैं। ये ट्रेनर आगे चलकर एन्यूमरेटर के लिए डिटेल्ड सेशन करेंगे और उन्हें घरों की सही गिनती के लिए जरूरी तरीकों और तकनीकों के बारे में सिखाएंगे।

तमिलनाडु में जनगणना कार्यों के डायरेक्टर एम. सुंदरेश बाबू ने कहा कि फील्ड ट्रेनर को जनगणना कार्य निदेशालय के अनुरोध पर नियुक्त किया गया था और वे डेटा इकट्ठा करने में एकरूपता और सटीकता सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा, इस सप्ताह लगभग 2,700 फील्ड-लेवल ट्रेनर को ट्रेनिंग दी जा रही है। इसके बाद वे लगभग 1.40 लाख एन्यूमरेटर को ट्रेनिंग देंगे, जो पूरे तमिलनाडु में घरों की जनगणना के काम में शामिल होंगे। अधिकारियों ने बताया कि एक महीने तक चलने वाले सर्वे के दौरान हर एन्यूमरेटर को लगभग 200 घर सौंपे जाएंगे। इस अनुमान के आधार पर, जनगणना के काम में राज्य भर के लगभग 2.80 करोड़ घरों को कवर किए जाने की उम्मीद है, जिससे यह सबसे बड़े डेटा-इकट्ठा करने वाले कामों में से एक बन जाएगा। फील्ड में गिनती शुरू होने से पहले, लोगों को 17 जुलाई से 31 जुलाई तक 'सेल्फ-एन्यूमरेशन' के चरण में भाग लेने का मौका मिलेगा। इस दौरान, घर वाले अपनी जानकारी स्वेच्छा से ऑनलाइन जमा कर सकते हैं, जिससे फील्ड वेरिफिकेशन में लगने वाला समय कम होगा और सर्वे की दक्षता बेहतर होगी। घरों का सूचीकरण जनगणना का पहला चरण है, घरों और रहने की स्थितियों के बारे में विस्तृत जानकारी इकट्ठा की जाएगी। एन्यूमरेटर घर में रहने वालों की संख्या, घर की विशेषताओं, बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच, वाहनों और घर की अन्य संपत्तियों के मालिकाना हक और अन्य सामाजिक-आर्थिक संकेतकों के बारे में डेटा इकट्ठा करेंगे। अधिकारियों ने कहा कि इस प्रक्रिया के दौरान इकट्ठा की गई जानकारी आने वाले वर्षों में योजना बनाने, नीति बनाने और कल्याणकारी व विकास कार्यक्रमों को लागू करने के लिए एक महत्वपूर्ण डेटाबेस के तौर पर काम आएगी।

मुख्यमंत्री ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष पुलिस इकाई 'सिंगप्पन' की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बुधवार को महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने के लिए गठित विशेष पुलिस इकाई सिंगप्पन' की शुरुआत की। विजय ने महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों को रोकने व उन्हें बेहतर सुरक्षा प्रदान करने के लिए गठित विशेष बल के प्रतीक चिन्ह का अनावरण किया।

मुख्यमंत्री ने विशेष बल के लिए विशेष गश्ती वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और स्वयं भी एक वाहन चलाया। उद्घाटन समारोह राजारथिनम स्टेडियम में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में शीर्ष अधिकारी शामिल हुए।

इसका उद्देश्य राज्य में महिलाओं और बच्चों को बेहतर सुरक्षा प्रदान करना है। यह विशिष्ट पुलिस इकाई सार्वजनिक स्थानों की निगरानी और गश्त, संवेदनशील एवं असुरक्षित क्षेत्रों की पहचान तथा आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाकर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए सरकार के प्रयासों को और मजबूत करेगी। सरकार ने कहा कि यह पुलिस की उपस्थिति सुनिश्चित करेगी और लोगों में विश्वास पैदा करेगी, सार्वजनिक स्थानों पर उत्पीड़न को रोकेगी और महिला एवं बाल-हितैषी समाज के लिए जन-प्रेरित आंदोलन की दिशा में काम करेगी।

टीवीके सरकार को लेकर 'तीन महीने' वाले बयान पर द्रमुक की सफाई, कहा- सत्ता पलटने की मंशा नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने मंगलवार को पार्टी प्रमुख एम के स्टालिन के टीवीके सरकार के अस्तित्व संबंधी बयान को लेकर स्पष्ट किया कि उनके कथन का उद्देश्य सरकार को गिराना या अस्थिर करना नहीं था। द्रमुक के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री थंगम थेन्नरासु ने कहा कि एम के स्टालिन की टिप्पणी का मतलब सरकार को गिराने या भंग करने का कोई इरादा नहीं था। स्टालिन ने रविवार को कहा था कि तमिलनाडु में सी जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार तीन महीने से अधिक नहीं टिक पाएगी। हालांकि, इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में विवाद खड़ा हो गया था।

स्टालिन के हवाले से कहा गया था कि उन्होंने पहले कहा था कि नई सरकार को छह महीने तक आलोचना से मुक्त रखा जाएगा, लेकिन मौजूदा हालात ऐसे हैं कि यह समय सीमा भी प्रभावित हो सकती है। थंगम ने कहा कि मीडिया में दिए गए सवालों के जवाब में अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी इस बयान पर प्रतिक्रिया दी, लेकिन द्रमुक प्रमुख का आशय सरकार गिराने का नहीं था। उन्होंने कहा कि स्टालिन का आशय केवल यह था कि मौजूदा परिस्थितियों में सरकार के कामकाज को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

द्रमुक नेता ने दावा किया कि राज्य में कानून-व्यवस्था, हत्या, डकैती, नशा तस्करी, बिजली कटौती, किसानों के विरोध और यौन अपराधों की घटनाओं को देखते हुए उन्होंने यह टिप्पणी की थी। उन्होंने यह भी कहा कि सत्ता में आने के एक महीने के भीतर ही कथित अपराधों और प्रशासनिक मुद्दों को लेकर लगातार रिपोर्ट सामने आ रही हैं, जिससे सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

करूर में बाइक चालक को बचाने में कार दुर्घटनाग्रस्त, गर्भवती महिला समेत तीन लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

करूर। तमिलनाडु के करूर जिले में अरावकुरिची के पास मंगलवार सुबह सड़क दुर्घटना में गर्भवती महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे में दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें दंपति की दो साल की बेटी भी शामिल है। मृतकों की पहचान 30 वर्षीय वी. अरविंद, 28 वर्षीय पत्नी ए. जननी (आठ महीने की गर्भवती) और कार चालक 40 वर्षीय पी. वीरा के रूप में हुई है। अरविंद और जननी मदुरै जिले के उसिलमपट्टी के पास करुथी वीरनपट्टी के रहने वाले थे, जबकि पी. वीरा उसिलमपट्टी के नेताजी नगर का रहने वाला था।

घायलों में दंपति की दो साल की बेटी ए. वावीरा और अरावकुरिची की कलाईवनार स्ट्रीट के रहने वाले 32 वर्षीय पी. पंडितुरई शामिल हैं। दोनों को अस्पताल ले जाया गया और उनका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, अरविंद, जननी और उनकी बेटी बेंगलूरु की यात्रा के बाद वीरा द्वारा चलाई जा रही कार से करूर-डिंडीगुल नेशनल हाईवे होते हुए मदुरै जिले में अपने घर लौट रहे थे। यह हादसा सुबह करीब 6 बजे इसानथम क्रॉस कट रोड जंक्शन के पास हुआ। शुरुआती जांच से पता चला है कि पंडितुरई की मोटरसाइकिल कार के आगे चल रही थी, तभी उसने हाईवे पर अचानक दाईं ओर मुड़ने की कोशिश की। दोपहिया वाहन से टक्कर से बचने की कोशिश में कार चालक ने अचानक बाईं ओर गाड़ी मोड़ी। हालांकि, गाड़ी पर से उसका नियंत्रण खो गया और तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़ी एक वैन से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। अरविंद, जननी और वीरा को जानलेवा चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दंपति की छोटी बेटी और मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर अरावकुरिची पुलिस स्टेशन की एक टीम दुर्घटना स्थल पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया।

इस हादसे की वजह से व्यस्त नेशनल हाईवे पर कुछ देर के लिए ट्रैफिक में रुकावट आई, लेकिन बाद में आवाजाही सामान्य हो गई। मामला दर्ज कर लिया गया है और इस जानलेवा हादसे की असल वजह का पता लगाने के लिए आगे की जांच की जा रही है।

तमिलनाडु के मंत्री ने कहा

बार-बार बिजली कटौती की वजह 'सुनियोजित साजिश' है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के बिजली मंत्री सी टी आर निर्मल कुमार ने चेन्नई और उपनगरों में बार-बार होने वाली बिजली कटौती के लिए मंगलवार को 'सुनियोजित साजिश' को जिम्मेदार ठहराते हुए दावा किया कि कुछ लोगों ने जानबूझकर फ्यूज खींच दिये या बिजली गुल करवा दी ताकि लोगों को विरोध प्रदर्शन के लिए भड़काया जा सके। उन्होंने कहा कि अधिकारी बिजली कटौती की आवृत्ति और स्थान का आकलन कर रहे है ताकि संदिग्ध और दोहराव वाले पैटर्न का पता लगाया जा सके कि यह तकनीकी समस्या के बजाय 'सुनियोजित साजिश'' है।

जब कुमार से लगातार बिजली कटौती और इस मुद्दे पर लोगों द्वारा विरोध प्रदर्शन किये जाने के बारे में पत्रकारों ने सवाल किया तब उन्होंने कहा, बिजली के बुनियादी ढांचे से छेड़छाड़ करते हुए पकड़े गए व्यक्तियों के खिलाफ शिकायतें दर्ज की जा रही हैं और कुछ गिरफ्तारियां भी हो चुकी हैं।

शनिवार रात लंबे समय तक बिजली कटौती से चेन्नई और उसके आसपास के कई इलाकों में लोगों को नींद नहीं आयी। मेदावक्कम, पल्लीकरनई, पेरुम्बक्कम, शोलिंगनल्लूर और ईस्ट कोस्ट रोड क्षेत्र में कुछ लोग बिजली कटौती से परेशान होकर विरोध प्रदर्शन करने लगे, क्योंकि बिजली कटौती दो से चार घंटे तक चली।

प्रदर्शनकारियों का दावा था कि बिजली कटौती बार-बार हो रही है, जबकि तमिलनाडु विद्युत बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 'ट्रिपिंग' और वितरण संबंधी समस्याओं के कारण यह अस्थायी बिजली कटौती हुई थी। कुमार ने कहा, अधिकारी उपकरणों से छेड़छाड़ करने वाले व्यक्तियों, जैसे कि फ्यूज निकालने वालों की पहचान करने के लिए मौजूदा सीसीटीवी फुटेज का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सीसीटीवी कवरेज से वंचित क्षेत्रों में जनता की सतर्कता महत्वपूर्ण है।

तमिलनाडु में मौसम विभाग ने 10 जिलों में भारी बारिश का पूर्वानुमान लगाया

चेन्नई। तमिलनाडु में दक्षिण-पश्चिम मानसून के चलते मंगलवार से 10 जिलों में भारी बारिश होने की संभवना है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने यह जानकारी दी। आरएमसी के नवीनतम बुलेटिन के अनुसार, धर्मपुरी, सलेम, इरोड, नीलगिरि, कोयंबटूर, तिरुपुर, डिंडीगुल, थेनी, कन्याकुमारी और तिरुनेलवेली जिलों के पश्चिमी घाट में 12 जून तक बारिश होगी।

हालांकि, उच्च अधिकतम तापमान और उच्च आर्द्रता के कारण, इसी अवधि के दौरान उत्तरी आंतरिक तमिलनाडु जिलों और राज्य के तटीय क्षेत्रों में असुविधाजनक मौसम रहने की संभावना है।

सोमवार को कुडलूर जिले में अधिकतम तापमान 40.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिसके बाद चेन्नई में 40.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। इसी बीच, तिरुनेलवेली जिले के ऊथू क्षेत्र में पिछले 24 घंटों के दौरान 11 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई और कोयंबटूर जिले के उपासी क्षेत्र में इसी अवधि के दौरान नौ सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। चेन्नई के लिए मौसम विभाग ने गर्म और उमस भरे मौसम का पूर्वानुमान लगाया है। हालांकि, शाम या रात में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक होने की संभावना है।

चेन्नई डिवीजन ने लेवल क्रॉसिंग पर जागरूकता पर अभियान चलाया

चेन्नई। रेलवे क्रॉसिंग पर सुरक्षा के वैश्विक संदेश को आगे बढ़ाते हुए, दक्षिणी रेलवे के चेन्नई डिवीजन ने मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय लेवल क्रॉसिंग जागरूकता दिवस (आईएलसीएडी) 2026 को डिवीजन भर में लेवल क्रॉसिंग गेटों पर जागरूकता अभियानों की एक श्रृंखला के साथ मनाया। इस विभागव्यापी अभियान का उद्देश्य सड़क उपयोगकर्ताओं को लेवल क्रॉसिंग नियमों का उल्लंघन करने के खतरों और रेलवे ट्रैक पार करते समय सावधानी बरतने के महत्व के बारे में शिक्षित करना था।

मुख्य कार्यक्रम पल्लवरम और तांबरम के बीच स्थित इंजीनियरिंग लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 26 पर आयोजित किया गया, जहां छात्रों, स्काउट्स और गाइड्स, रेलवे कर्मचारियों और सुरक्षा अधिकारियों ने वाहन चालकों और पैदल यात्रियों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए मिलकर काम किया। अन्नानूर स्थित कलाइमगल विद्याश्रम के लगभग 15 छात्रों ने अब्दुल कलाम स्काउट्स और झांसी रानी गाइड्स के सदस्यों के साथ मिलकर सुरक्षा संबंधी नारे लगाए और जनता से बातचीत की। संभागीय रेलवे प्रबंधक कार्यालय, चेन्नई से अंकुर चौहान, अतिरिक्त संभागीय रेलवे प्रबंधक-प्रथम, और डॉ. आई. सेंथिल कुमार, अतिरिक्त संभागीय रेलवे प्रबंधक-द्वितीय, ने वरिष्ठ संभागीय सुरक्षा अधिकारी एम. वासुदेवन की उपस्थिति में लेवल क्रॉसिंग सुरक्षा संदेशों से युक्त एक सुरक्षा जागरूकता वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वैन सड़क उपयोगकर्ताओं के बीच सुरक्षा संदेशों का प्रसार करने के लिए लेवल क्रॉसिंग गेट की ओर रवाना हुई। लेवल क्रॉसिंग के पास व्यस्त जीएसटी रोड पर एक वॉकथॉन का भी आयोजन किया गया, जिसमें इंजीनियरिंग, सिग्नल और दूरसंचार और संचालन विभागों के रेलवे कर्मचारियों के साथ-साथ पल्लवरम और तांबरम रेलवे स्टेशनों के कर्मचारियों ने भी भाग लिया ।

मुख्य कार्यक्रम के अतिरिक्त, कई लेवल क्रॉसिंग गेटों पर एक साथ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें एलसी नंबर 57 (लट्टेरी), एलसी नंबर 55 (चेंगलपट्टू-ओटिवक्कम खंड), एलसी नंबर 44 (कट्टंगुलतुर), एलसी नंबर 48 (सिंगापेरुमल कोइल), एलसी नंबर 28 (कांचीपुरम) और एलसी नंबर 2 (कोरुकुपेट) शामिल हैं। इस अभियान में इस बात पर जोर दिया गया कि लेवल क्रॉसिंग के नियमों का पालन करना, गेट खुलने का धैर्यपूर्वक इंतजार करना और अनाधिकृत प्रवेश से बचना दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आईएलसीएडी-2026 के आयोजन के माध्यम से, चेन्नई डिवीजन ने जन जागरूकता बढ़ाने और सुरक्षित सड़क-रेल संपर्क को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया।

धनशोधन मामले में पिनराई विजयन की बेटी वीणा को ईडी का समन

कोच्चि/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने धनशोधन के एक मामले में केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की बेटी वीणा टी को पूछताछ के लिए इस सप्ताह तलब किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, वीणा को 12 जून को यहां प्रवर्तन निदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है। उनके उपस्थित होने पर धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनका बयान दर्ज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एजेंसी ने इस मामले में कुछ अन्य लोगों को भी समन जारी किया है।

जांच कोचीन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) तथा वीणा की अब बंद हो चुकी कंपनी एग्जालॉजिक सॉल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े कथित धनशोधन मामले से संबंधित है। ईडी ने पिछले महीने पिनराई विजयन के तिरुवनंतपुरम स्थित किराए के आवास, जहां वीणा रहती हैं, सहित कुछ अन्य स्थानों पर छापेमारी की थी। ईडी की जांच उस आरोप से जुड़ी है, जिसके अनुसार सीएमआरएल ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) परामर्श सेवाओं के नाम पर एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस को कथित तौर पर 2.78 करोड़ रुपये का फर्जी भुगतान किया।

विश्वास मत के दौरान टीवीके का समर्थन करने वाले 21 अन्नाद्रमुक विधायकों पर कार्रवाई नहीं: अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक के विरोधी गुटों के बीच सुलह होने के कुछ दिनों बाद, तमिलनाडु विधानसभा के अध्यक्ष जे.सी.डी. प्रभाकर ने मंगलवार को घोषणा की कि विपक्षी पार्टी के उन 21 विधायकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी, जिन्होंने 13 मई को हुए विश्वास मत के दौरान तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार के पक्ष में वोट दिया था। यह फैसला अन्नाद्रमुक के महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी के उस औपचारिक अनुरोध के बाद लिया गया है, जिसमें उन्होंने इस मामले को छोड़ने की बात कही थी।

राज्य सचिवालय में पत्रकारों से बात करते हुए प्रभाकर ने कहा कि अनुरोध पर विचार करने के बाद यह तय किया गया कि अन्नाद्रमुक के 21 विधायकों को अयोग्य नहीं ठहराया जाएगा। इस्तीफा देकर सत्ताधारी टीवीके में शामिल होने वाले अन्नाद्रमुक के चार विधायकों के भविष्य के बारे में पूछे गए एक सवाल पर प्रभाकर ने कहा कि इन विधायकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा, एक बार फैसला हो जाने के बाद, मैं आपको आधिकारिक तौर पर सूचित करूंगा।

विधानसभा अध्यक्ष के फैसले के बाद, ये विधायक दलबदल विरोधी कानूनों के तहत किसी कार्रवाई का सामना किए बिना विधानसभा सदस्य बने रहेंगे। नव गठित टीवीके सरकार के लिए अहम विश्वास मत के दौरान, अन्नाद्रमुक के 47 में से 25 विधायकों ने पार्टी के उस आदेश को नहीं माना, जिसमें सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सत्ताधारी सरकार के खिलाफ वोट करने को कहा गया था।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री आज दिल्ली में नीति आयोग की बैठक में हो सकते हैं शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के तीन दिवसीय दौरे पर जाएंगे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

मई में मुख्यमंत्री का पद संभालने के बाद नयी दिल्ली के अपने दूसरे दौरे पर, वे 10 जून को सुबह करीब आठ बजे एक विशेष विमान से रवाना होंगे और 11 जून को नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में शामिल हो सकते हैं। नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे और इसमें सभी राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। दिल्ली की यात्रा के दौरान, उनके राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करने की उम्मीद है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री के कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी से मिलने की भी उम्मीद है। इससे पूर्व 27 मई को राष्ट्रीय राजधानी की अपनी पहली यात्रा के दौरान यह राजनीतिक बैठक नहीं हो पाई थीं।

अन्नाद्रमुक के पूर्व विधायकों की 'खरीद-फरोख्त' की सीबीआई जांच के लिए न्यायालय में याचिका दायर

नई दिल्ली/चेन्नई। तमिलनाडु में सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार बनाने के लिए विधायकों की कथित खरीद-फरोख्त किए जाने को लेकर तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) महासचिव और चार अन्य विधायकों के खिलाफ सीबीआई जांच की मांग करते हुए उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है।

चारों विधायक अन्नाद्रमुक के विधानसभा सदस्य के तौर पर इस्तीफा देने के बाद सत्तारूढ़ दल टीवीके में शामिल हो गए थे। एम श्रीनिवासन द्वारा दायर याचिका में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को टीवीके के महासचिव एन आनंद उर्फ बुस्सी एन आनंद और अन्नाद्रमुक के चार पूर्व विधायकों के. मरगथम कुमारवेल (मदुरंथकम विधानसभा क्षेत्र), एस. जयकुमार (पेरुंदुरई), पी. सत्यबामा (धरपुरम) और एसाक्की सुबाया (अंबासमुद्रम) के खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। चारों विधायक अन्नाद्रमुक के विधानसभा सदस्य के तौर पर इस्तीफा देने के बाद 25 और 26 मई को टीवीके में शामिल हो गए थे। अधिवक्ता अचिंत्य तिवारी के माध्यम से दायर याचिका में सीबीआई को अदालत द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर जांच पूरी करने और रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। याचिका में न्यायालय से अनुरोध किया गया है कि वह संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी शक्ति का प्रयोग करते हुए उन उम्मीदवारों की चुनाव बाद खरीद-फरोख्त रोकने के लिए विशिष्ट नियम बनाए, जिन्हें या तो विधानसभा अध्यक्ष द्वारा अयोग्य घोषित कर दिया गया हो या जिन्होंने बिना किसी वैध, ठोस और न्यायसंगत कारण के विधानसभा से इस्तीफा दिया हो।

पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से तीन लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के खो-नागोरियन क्षेत्र में मंगलवार को एक मकान में कथित तौर पर संचालित पटाखा फैक्टरी में आग लगने से तीन लोगों की झुलस कर मौत हो गयी, जबकि पांच अन्य को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस से मिली शुरुआती जानकारी में कहा गया है कि हादसे में झुलसे लोगों को सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह एक पटाखा फैक्टरी थी, जिसमें मजदूर काम कर रहे थे।

पुलिस ने कहा कि फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) द्वारा जांच की जा रही है। सवाई मानसिंह अस्पताल की अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी ने बताया कि हादसे के बाद लाए गए तीन लोगों की मौत हुई है। जयपुर कलक्टर संदेश नायक ने घटनास्थल का दौरा किया और बताया कि आग को अग्निशमन कर्मियों की सहायता से बुझा दिया गया है। एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा कि आग लगने से पहले धमाके की आवाज सुनाई दी थी।

उसने बताया, हमने धमाके की आवाज सुनी और तुरंत मकान की ओर दौड़े। पानी डालकर अंदर घुसे और कुछ लोगों को बाहर निकाला। चश्मदीद के मुताबिक घटनास्थल पर झुलसे हुए दो लोग सड़क पर तड़पते हुए पाए गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें कपड़ों से ढककर एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। इससे पहले, जयपुर (पूर्व) के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक सिंघल ने बताया, हादसे के बाद पांच अन्य लोगों को मौके से बचा कर उपचार के लिये अस्पताल ले जाया गया है।

नामांकन पत्रों की जांच सभी सही पाये गये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान से राज्यसभा की तीन सीटों के लिए होने वाले द्विवार्षिक निर्वाचन के लिए प्रत्याशियों द्वारा भरे गये सभी नौ नामांकन पत्रों की मंगलवार को विधान सभा में जांच की गयी, जिसमें सभी नामांकन पत्र सही पाये गये। रिटर्निंग ऑफिसर भारत भूषण शर्मा ने बताया कि इंडियन नेशनल कांग्रेस के नीरज डांगी ने तीन तथा भारतीय जनता पार्टी के श्रीमती अलका सिंह ने दो और सतीश पूनिया के चार नामांकन पत्रों की जांच अभ्यार्थियों, प्रस्थापकों और निर्वाचन अभिकर्ताओं के समक्ष बारीकी से की गयी।

नामांकन पत्रों की जांच पर्यवेक्षक एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन की मौजूदगी में रिटर्निंग ऑफिसर भारत भूषण शर्मा ने की। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नामांकन पत्रों की जांच की वीडियोग्राफी भी की गई। राज्यसभा निवार्चन के लिए नाम वापसी की अंतिम तिथि 11 जून है।

योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समयबद्ध शिकायत निस्तारण के लिए मुख्य सचिव ने दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में सचिवों की समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव एवं शासन सचिव उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति, बजटीय प्रावधानों के विरुद्ध निधियों के उपयोग तथा जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने योजनाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचे।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रशासनिक प्रक्रियाओं में अनावश्यक विलंब समाप्त करने के लिए ई-फाइलों के निस्तारण की प्रक्रिया को और सरल बनाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि ई-फाइल को जिन विभिन्न स्तरों से होकर गुजरना पड़ता है, उनकी संख्या यथासंभव कम की जाए ताकि निर्णय प्रक्रिया में तेजी आए तथा प्रशासन अधिक दक्ष एवं उत्तरदायी बन सके।

उन्होंने विभागों को लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण पर विशेष ध्यान देने के लिए भी कहा।

बैठक में मुख्य सचिव ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान जैसे जनभागीदारी आधारित अभियानों में व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित करने हेतु प्रभावी जनजागरूकता एवं आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर समाज की सक्रिय भागीदारी अभियान की सफलता की कुंजी है तथा विभागों को स्थानीय स्तर पर व्यापक संवाद एवं सहभागिता को बढ़ावा देना चाहिए।

मुख्य सचिव ने राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष बल दिया।

उन्होंने निर्देश दिए कि शिकायतों का निपटारा निर्धारित समय सीमा में उचित माध्यम से किया जाए। साथ ही, पोर्टल एवं हेल्पलाइन पर कार्यरत शिकायत निवारण अधिकारियों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश दिए ताकि शिकायतों के प्रभावी एवं त्वरित समाधान की व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो सके। उन्होंने विधानसभा सदस्यों द्वारा पूछे गए लंबित प्रश्नों के उत्तर भी शीघ्र एवं तथ्यपरक रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने मथुरा में गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा की

मथुरा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार रात मथुरा में पवित्र गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा की, उनके साथ उनकी पत्नी गीता देवी भी मौजूद थीं। मुख्यमंत्री शर्मा ने गिरिराज जी की पूजा-अर्चना करके परिक्रमा की शुरुआत की। गोवर्धन के दानघाटी मंदिर के सेवायत जी के पुरोहित ने बताया कि मुख्यमंत्री शर्मा ने देशवासियों की कल्याण, शांति, सद्भाव और विकास के लिए प्रार्थना की। भजनलाल शर्मा ने कहा कि गोवर्धन परिक्रमा करने से उन्हें आध्यात्मिक शांति और ऊर्जा की अनुभूति होती है। उन्होंने परिक्रमा मार्ग के प्रमुख मंदिरों में भी दर्शन-पूजन किया।

सोमवार देर रात सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए मुख्यमंत्री ने लिखा, आज पावन धाम गोवर्धन जी की सप्तकोसीय परिक्रमा और गिरिराज महाराज के दर्शन का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ। ठाकुर जी से समस्त प्रदेशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और राजस्थान की निरंतर प्रगति व विकास की मंगल कामना की। सेवायत जीके पुरोहित के अनुसार, इस दौरान भजनलाल शर्मा की पत्नी गीता देवी ने भी दंडवत परिक्रमा पूरी की। सेवायत जी के पुरोहित के अनुसार, अनुष्ठान के तहत साष्टांग परिक्रमा के बाद सामान्य परिक्रमा की परंपरा होती है। गौरतलब है कि गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा और महाभिषेक के लिए सालभर लाखों श्रद्धालु मथुरा आते हैं।

बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में सीजेरियन प्रसव के बाद छह महिलाओं की तबीयत बिगड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान के बीकानेर स्थित प्रिंस बिजय सिंह मेमोरियल (पीबीएम) अस्पताल में सीजेरियन प्रसव के बाद छह प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ गई जिसके बाद पूरे प्रकरण की जांच के लिए एक समिति गठित की गई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इनमें से कई महिलाओं को गुर्दे संबंधी समस्याएं हुईं, जिसके बाद प्रशासन ने जांच समिति गठित की है। सभी मरीजों को आईसीयू में भर्ती कर निगरानी की जा रही है। जांच समिति में शामिल सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र वर्मा ने बताया कि कुछ महिलाओं को प्रसव के बाद स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं हुईं और वे विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में उपचाराधीन हैं।

उन्होंने कहा, मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच समिति बनाई गई है। सही कारण रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। हमारी प्राथमिकता सभी मरीजों का उचित इलाज और स्वस्थ्य लाभ सुनिश्चित करना है। अस्पताल अधीक्षक डॉ. बी.सी. घीया ने कहा कि मरीजों की लगातार निगरानी की जा रही है। गुर्दा, स्त्री रोग और मेडिसिन विभाग की टीमें मिलकर इलाज कर रही हैं। कुछ मरीजों को डायलिसिस की आवश्यकता पड़ी, जो नियमित रूप से किया जा रहा है।

गुर्दा रोग विभाग के प्रोफेसर जितेंद्र फलोदिया ने बताया कि मरीज विशेषज्ञों देखरेख में हैं और आवश्यक चिकित्सीय सहायता दी जा रही है। इस बीच, मरीजों के परिजनों ने चिंता जताते हुए आरोप लगाया कि प्रसव के बाद शुरू में स्थिर दिखने के बाद महिलाओं की हालत अचानक बिगड़ गई। एक रिश्तेदार लेखराम ने बताया, प्रसव के बाद वे सामान्य थीं, लेकिन बाद में मूत्र संबंधी और अन्य समस्याएं शुरू हो गईं। डॉक्टर इलाज कर रहे हैं, लेकिन हम चाहते हैं कि निष्पक्ष जांच हो ताकि असली कारण सामने आए और ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

एक अन्य परिजन जुबैदा ने भी अचानक बिगड़ी हालत पर चिंता व्यक्त की। अधिकारियों ने बताया कि जांच की जा रही है और सटीक कारण रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। फिलहाल सभी मरीज आईसीयू और विशेष वार्डों में उपचाराधीन हैं।

संस्कृति और परंपराओं में आरम्भ से ही श्रेष्ठ रहा है भारत : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से मंगलवार को लोकभवन में आईआईआईटी धारवाड़, कर्नाटक के विद्यार्थियों ने मुलाकात की। एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत राज्यपाल ने इन विद्यार्थियों का अभिनन्दन करते हुए उनसे संवाद किया। राज्यपाल ने कहा कि भारत की सीमाएं प्राचीन काल में आज से बहुत अधिक विस्तृत थीं। उन्होंने कहा कि आज का अफ़ग़ानिस्तान, गांधार और कंबोज, पाकिस्तान, बांग्लादेश, और म्यांमार भारत के ही विशाल साम्राज्य का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि विश्व में सर्वाधिक 19 विश्वविद्यालय भारत में थे। सुदूर देशों से लोग भारत में पढ़ने आते थे। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत के लोगों की बौद्धिक क्षमता बहुत अधिक थी। बप्पा रावल के नाम से ही रावल पिंडी स्थान का नामकरण हुआ। उन्होंने कहा कि भारत संस्कृति और परंपराओं में आरम्भ से ही श्रेष्ठ रहा है। इसे फिर से श्रेष्ठ बनाने की आवश्यकता है। राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति की चर्चा करते हुए कहा कि इसमें प्राचीन गौरव की अनुभूति कराते युवाओं को सभी क्षेत्र में अग्रणी करने पर जोर है।

उन्होंने राजस्थान के आदिवासी क्षेत्र की वीरांगना कालीबाई के बारे में भी कर्नाटक के विद्यार्थियों को विस्तार से बताया और कहा कि स्वाधीनता संग्राम में कालीबाई की महती भूमिका रही। उन्होंने कहा कि भारत श्रेष्ठ रहा है, इसका इतिहास प्रौद्योगिकी के विद्यार्थियों को पता होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के युवा प्रतिभाशाली बने, इसी उद्देश्य से एक भारत श्रेष्ठ भारत के साथ विकसित भारत का संकल्प संजोया गया है। इससे पहले राज्यपाल ने विद्यार्थियों को संवाद में राजस्थान के भूगोल, संस्कृति के बारे में बताते हुए सरदार सरोवर से नर्मदा जल को राजस्थान में लाए जाने, राजस्थान के ऐतिहासिक चितौड़गढ़ दुर्ग, विश्व की सबसे बड़ी पक्की नहर गंग नहर के इतिहास के बारे में रोचक ढंग से जानकारियां दी। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीनाथजी मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को डीग स्थित श्रीनाथजी मंदिर में सपत्नीक पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इसके बाद उन्होंने सामान्य श्रद्धालु की तरह 'सात दंडवती' लगाकर ब्रज की पावन धरा पर आराध्य देव गोवर्धन गिरिराज जी महाराज की सप्तकोसीय परिक्रमा प्रारंभ की।

परिक्रमा के दौरान मुख्यमंत्री का जगह-जगह स्थानीय नागरिकों, साधु-संतों और श्रद्धालुओं ने भव्य स्वागत और अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने हाथ जोड़कर सभी से आत्मीयता के साथ रामा-श्यामा की। पूरा परिक्रमा मार्ग 'बोलो गिरिराज महाराज की जय' के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।

इससे पहले गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, डीग-कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत सहित जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगणों ने पूंछरी का लौठा स्थित हैलीपेड पर मुख्यमंत्री की अगवानी की।

गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व सेवाएं उपलब्ध कराने में पीएमएसएमए की ऐतिहासिक उपलब्धि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर प्रारम्भ किए गए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में सफलता के 10 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इस अवसर पर मंगलवार को प्रदेशभर के राजकीय स्वास्थ्य संस्थानों में गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष पीएमएसएमए सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रसवपूर्व जांच, परामर्श एवं उपचार सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी पहल के रूप में स्थापित हुआ है। इस अभियान के माध्यम से देशभर में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की 7 करोड़ 50 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ प्रसवपूर्व स्वास्थ्य सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गई हैं। इसके सकारात्मक परिणामों से देश एवं प्रदेश में मातृ मृत्यु दर तथा शिशु मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है।

उन्होंने प्रत्येक गर्भवती महिला से गर्भावस्था के दौरान नियमित रूप से अपने निकटतम राजकीय स्वास्थ्य संस्थान में आयोजित पीएमएसएमए सत्र में पंजीयन कराकर निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने की अपील की है। नियमित जांच से गर्भावस्था के दौरान संभावित जटिलताओं की समय रहते पहचान कर सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित किया जा सकता है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि केंद्र सरकार की गाइडलाइन के अनुरूप राज्य में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तर तक गर्भवती महिलाओं को विशेषज्ञ चिकित्सकीय देखरेख में प्रसवपूर्व जांच, आवश्यक परामर्श, रक्त जांच, उच्च जोखिम गर्भावस्था की पहचान तथा उपचार सेवाएं पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रदेश में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान प्रत्येक माह की 9, 18 एवं 27 तारीख को आयोजित किया जाता है।

देवनानी ने पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से की शिष्टाचार भेंट

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने चंडीगढ प्रवास के दौरान मंगलवार को लोक भवन पंजाब में राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने राज्यपाल कटारिया का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा राजस्थान विधानसभा का स्मृति चिह्न भेंट कर अभिवादन किया।

देवनानी ने राज्यपाल कटारिया को विधानसभा भवन के विभिन्न द्वारों के नामकरण की अवधारणा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विधानसभा के प्रमुख द्वारों को कर्तव्य द्वार, शक्ति द्वार, सुशासन द्वार, संकल्प द्वार एवं शौर्य द्वार नाम देकर लोकतंत्र के मूल आदर्शों और जनप्रतिनिधियों के दायित्वों को प्रतीकात्मक रूप से अभिव्यक्त किया गया है। उन्होंने कटारिया को बताया कि विधानसभा भवन के बाहरी द्वारों को राजस्थान के विभिन्न अंचलों बृज, शेखावाटी, वागड़, हाड़ौती, मारवाड़, मेवाड़, मेरवाड़ा एवं ढूंढाड़ के नाम समर्पित कर राज्य की सांस्कृतिक विविधता, लोक परंपराओं और क्षेत्रीय गौरव को लोकतांत्रिक व्यवस्था से जोड़ने का प्रयास किया गया है।

राज्यपाल कटारिया ने स्पीकर देवनानी की इस पहल को लोकतांत्रिक संस्थाओं को जनभावनाओं और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया तथा कहा कि ऐसे नवाचार लोकतंत्र के प्रति नागरिकों में आत्मीयता और गौरव का भाव विकसित करते हैं।

मणिपुर के सेनापति में अपहृत 14 कुकी लोगों को करीब एक महीने बाद मुक्त किया गया

इंफाल/भाषा। मणिपुर के सेनापति जिले में सशस्त्र समूहों द्वारा एक महीने पहले अपहृत किए 14 कुकी बंधकों को मंगलवार को मुक्त कर दिया गया। इन 14 लोगों का 13 मई को कांगपोकपी जिले में घात लगा किए हमले में गिरजाघर के तीन नेताओं की हत्या के बाद अपहरण कर लिया था। मणिपुर में नगा समुदाय के शीर्ष निकाय 'यूनाइटेड नगा काउंसिल' (यूएनसी) और सेनापति जिले के अन्य नागरिक समाज संगठनों के प्रयासों से इन्हें मुक्त कराने में मदद मिली। इन सभी को पुलिस और सुरक्षा बलों की मौजूदगी में सेनापति जिला मुख्यालय में सकुशल मुक्त कर दिया गया।'' यूएनसी के अध्यक्ष एनजी लोरहो ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों, गिरजाघर संगठनों तथा शीर्ष जनजातीय संगठन की अपील के बाद बंधकों को मुक्त किया गया।

हमारा मॉडल व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाने वाला होना चाहिए : मुख्यमंत्री योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आत्मनिर्भरता पर जोर दिया और 'रेवड़ी' (मुफ्त के उपहारों की) संस्कृति को हतोत्साहित करते हुए कहा कि हमारा मॉडल ऐसा होना चाहिए, जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाये।

योगी आदित्यनाथ लखनऊ में प्रोजेक्ट गंगा (विकास और उन्नति के लिए सरकारी सहायता प्राप्त नेटवर्क) की शुरुआत करने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा,''हमारा मॉडल ऐसा होना चाहिए, जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाए। सरकार पर उसकी निर्भरता न्यूनतम होनी चाहिए। 'रेवड़ी संस्कृति' के तहत सबकुछ बांटने के बजाय, अगर हम इसे आत्मनिर्भरता की ओर ले जाएं, तो एक टिकाऊ मॉडल होगा। हमें उस टिकाऊ मॉडल को आगे बढ़ाने के लिए काम करना होगा।'' उन्होंने कहा कि ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी को न्याय पंचायतों तक ले जाना है। उन्होंने कहा, ''ग्राम पंचायतों में ब्रॉडबैंड सुविधा देने का मतलब है ग्राम पंचायतों को 'स्मार्ट विलेज' के रूप में विकसित करना।'' उत्तर प्रदेश राज्य ट्रांसफार्मेशन कमीशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मनोज कुमार सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''प्रोजेक्ट गंगा को शुरुआत में उत्तर प्रदेश के 21 जिलों में लागू किया गया है।'' इस मौके पर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इंटरनेट जितना तेज होगा, विकास की गति उतनी ही तेज होगी। उन्होंने कहा, ''हम सभी जानते हैं कि ब्रॉडबैंड आज एक आवश्यकता है। इंटरनेट जितना तेज होगा, विकास की गति उतनी ही तेज होगी और दिखाई देगी। लोगों के जीवन में व्यापक परिवर्तन दिखाई देंगे।'' उन्होंने कहा, ''2026-27 के बजट में हमने घोषणा की थी कि राज्य सरकार डिजिटल सशक्तिकरण के दृष्टिकोण से 8,000 डिजिटल उद्यमियों को आगे बढ़ाएगी। इसमें से 50 प्रतिशत महिलाएं होंगी। मुझे लगता है कि प्रोजेक्ट गंगा वह माध्यम बनेगा।''

योगी ने बाद में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राज्य में डिजिटल उद्यमिता अभियान को नई गति देने के लिए, 'प्रोजेक्ट गंगा' (ग्रोथ एंड एडवांसमेंट के लिए सरकारी सहायता प्राप्त नेटवर्क) की शुरुआत आज लखनऊ में की गई।''

उप्र के सभी जिलों में होगा अमर नायकों की गाथा का नाट्य मंचन : जयवीर सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार ने युवाओं को सांस्कृतिक रूप से जागरूक करने और उन तक अमर नायकों की गौरव गाथा पहुंचाने के इरादे से सभी 75 जिलों में आनन्द मठ, अटल बिहारी वाजपेयी, वीर सावरकर और महाराजा सुहेलदेव जैसी हस्तियों पर आधारित नाटकों का मंचन करने की कार्ययोजना तैयार की है।

उप्र सरकार 'एक जिला-एक नाट्य श्रृंखला' के तहत प्रदेश के सभी 75 जिलों में भव्य 'राष्ट्रचेतना नाट्य अभियान' शुरू करने जा रही है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की भावना से ओत-प्रोत इस अभियान में अखंड भारत के वीरों, ऐतिहासिक नायकों और महान साहित्यकारों की कृतियों पर आधारित नाटकों का मंचन होगा। भारतेंदु नाट्य अकादमी इस अभियान का संचालन करेगी। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि योजना के तहत 'आनंदमठ' और 'महाराजा सुहेलदेव' आधारित नाटक का मंचन प्रमुख प्रस्तुतियों के तौर पर किया जाएगा। 'बिजली पासी', 'झांसी की रानी', 'काकोरी ट्रेन एक्शन', '1857 की क्रांति', 'शिवाजी महाराज' जैसे वीर नायकों पर आधारित नाटक मंचित होंगे। वहीं 'रश्मिरथी', 'अज्ञेय', 'अटल बिहारी वाजपेयी', 'मुंशी प्रेमचंद कृत बड़े भाई साहब', 'जयशंकर प्रसाद', 'सूर्यकांत त्रिपाठी निराला', 'भारतेंदु हरिश्चंद्र' और 'वीर सावरकर' जैसी साहित्यिक व राष्ट्रीय चेतना की प्रस्तुतियां भी होंगी।

जाली हस्ताक्षर मामले की जांच के सिलसिले में सीआईडी ममता के कालीघाट स्थित आवास पहुंची

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) की एक टीम विधायकों के कथित जाली हस्ताक्षर मामले की जांच के सिलसिले में मंगलवार को कोलकाता के कालीघाट इलाके में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के आवास पहुंची, जो पार्टी का केंद्रीय कार्यालय भी है। सूत्रों के मुताबिक, सीआईडी टीम परिसर के सुरक्षाकर्मियों और पार्टी के एक नेता से संक्षिप्त बहस के बाद उसके अंदर दाखिल हुई और तलाशी शुरू की। सूत्रों ने बताया कि सीआईडी अधिकारी कालीघाट पुलिस थाने की एक टीम और महिला पुलिस कर्मियों के साथ तृणमूल कांग्रेस के 30बी हरीश चटर्जी मार्ग स्थित केंद्रीय कार्यालय पहुंचे। सीआईडी ने इससे पहले विपक्ष के नेता के रूप में शोभनदेब चट्टोपाध्याय को नामित किए जाने के लिए विस अध्यक्ष को सौंपे गए प्रस्ताव पर तृणमूल कांग्रेस के कुछ विधायकों के कथित तौर पर जाली हस्ताक्षर किए जाने से जुड़े मामले के सिलसिले में जानकारी मांगते हुए पार्टी नेताओं को नोटिस जारी किए थे।

राम मंदिर को मिले दान में कथित गड़बड़ी की केंद्रीय एजेंसी से जांच कराई जाए : भाजपा नेता रजनीश सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और पार्टी प्रवक्ता डॉ. रजनीश सिंह ने मंगलवार को राम जन्मभूमि मंदिर को मिले दान में कथित गड़बड़ी की निष्पक्ष, उच्च-स्तरीय केंद्रीय जांच की मांग की।

सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजे पत्र में मांग की कि इस मामले की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) या किसी अन्य सक्षम केंद्रीय एजेंसी से कराई जाए। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि जांच के नतीजों को सार्वजनिक किया जाए ताकि मंदिर ट्रस्ट में श्रद्धालुओं का भरोसा बना रहे। सिंह ने कहा, ''राम मंदिर करोड़ों हिंदुओं की आस्था, भक्ति और विश्वास का केंद्र है। देश-विदेश से श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के अनुसार दान देते हैं।''

उन्होंने कहा कि अगर दान के पैसे के गलत इस्तेमाल, हेराफेरी या वित्तीय अनियमितताओं के आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह न केवल एक आर्थिक अपराध होगा, बल्कि लाखों राम भक्तों की धार्मिक भावनाओं को भी गहरी चोट पहुंचाएगा।

सिंह ने कहा, ''दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई बहुत ज़रूरी है।''

पश्चिम बंगाल विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन के मामले में दूसरे राज्यों से पीछेः शुभेंदु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि राज्य विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन के मामले में दूसरे राज्यों से पीछे है।

उन्होंने कहा कि राजनीति चुनाव के समय की जा सकती है, लेकिन बाकी समय विकास कार्यों पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

भाजपा का आरोप है कि 34 वर्षों तक शासन करने वाले वाम मोर्चा और 15 वर्षों तक सत्ता में रही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने विकास के बजाय राजनीति को प्राथमिकता दी, जिसके कारण राज्य कई मानकों पर पिछड़ गया, जबकि देश के अन्य हिस्सों ने प्रगति की। एक प्रशासनिक बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य केंद्रीय परियोजनाओं को लागू करने, बुनियादी ढांचे के विकास और लोगों को सुविधाएं उपलब्ध कराने में पीछे रह गया है। उन्होंने कहा, चुनाव के दौरान राजनीति होगी, लेकिन बाकी समय विकास कार्य होना चाहिए।

पूर्ववर्ती तृणमूल सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में माहौल इस कदर राजनीतिक हो गया था कि थाने पार्टी कार्यालय बन गए थे और पंचायत कार्यालय कट-मनी वसूली केंद्रों में बदल गए थे।

अधिकारी ने कहा कि तृणमूल शासन के दौरान प्रशासनिक व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। उन्होंने कहा, हम पश्चिम बंगाल को उस स्थिति से बाहर निकालना चाहते हैं, कानून के शासन को स्थापित करना चाहते हैं, न कि शासक के कानून को।

सोनिया से मिलीं ममता, भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकजुटता मजबूत करने पर दिया जोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। 'इंडिया' गठबंधन की बैठक में विपक्षी एकजुटता मजबूत करने पर जोर देने के एक दिन बाद तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को कांग्रेस की शीर्ष नेता सोनिया गांधी से मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि यह मुलाकात सोनिया गांधी के आवास '10 जनपथ' पर हुई।

सूत्रों ने कहा कि दोनों नेता विपक्षी गठबंधन की बैठक के बाद दोनों पार्टियों के बीच आगे की रणनीति और हाल के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल की हार के बाद कई नेताओं के पार्टी से अलग होने के बाद की रणनीति पर चर्चा की। दोनों पार्टियों ने बैठक के ब्यौरे का खुलासा नहीं किया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि बनर्जी ने कांग्रेस की प्रमुख नेता के साथ बातचीत के दौरान विपक्षी एकता पर जोर दिया है और इस बात को रेखांकित किया कि 'इंडिया' गठबंधन को जनता से जुड़े मुद्दों सहित विभिन्न मुद्दों पर भाजपा से मुकाबला करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

विपक्षी गठबंधन की सोमवार को हुई बैठक में ममता बनर्जी ने सभी घटक दलों से अतीत की बातों को भूलकर एकजुट होने का आग्रह किया था।

असम भारत की अर्थव्यवस्था के केंद्र में आ रहा हैः यूरोपीय संघ के राजदूत

गुवाहाटी/भाषा। भारत में यूरोपीय संघ (ईयू) के राजदूत हर्वा डेलफिन ने मंगलवार को दावा किया कि असम भारत के भूगोल के छोर पर नहीं है, बल्कि यह पूर्वोत्तर राज्य देश की अर्थव्यवस्था के केंद्र में आ रहा है। यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल के असम के उच्च स्तरीय दौरे के दूसरे दिन यहां एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए डेलफिन ने कहा कि यूरोपीय संघ पूर्वोत्तर क्षेत्र, विशेषकर असम के विकास में सहयोग और भागीदारी करता रहा है। उन्होंने कहा, असम भारतीय भूगोल की परिधि पर नहीं, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था के केंद्र की ओर बढ़ रहा है। डेलफिन ने कहा कि असम की जो सबसे अनूठी बात है, वह है यहां की प्राकृतिक संपदा, यहां के लोगों की योग्यता... उनकी प्रतिभा, अतिथि सत्कार और राज्य के विकास के लिए अविश्वसनीय नेतृत्व। यही सब बातें असम को यूरोपीय व्यापार के लिए सबसे पसंदीदा स्थल बनाती हैं।

झारखंडः ऑनलाइन धोखाधड़ी के आरोप में छह लोग गिरफ्तार

जामताड़ा/देवघर/भाषा। झारखंड के जामताड़ा और देवघर जिलों में साइबर अपराध करने के आरोप में छह अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जामताड़ा और देवघर जिलों से तीन-तीन लोगों को पकड़ा गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने पर जामताड़ा के पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह ने अपराधियों को पकड़ने के लिए एक टीम गठित की। साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश मंडल ने बताया कि टीम ने सोमवार को करमाटांड क्षेत्र के टेटुलबंधा में छापेमारी की और तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया, जिनकी उम्र 20 वर्ष के आसपास है। अधिकारी ने बताया कि आरोपी भोले-भाले लोगों को यह कहकर बहलाते थे कि उनका क्रेडिट कार्ड ब्लॉक हो गया है और नया कार्ड जारी करने के लिए बैंक विवरण मांगते थे। उन्होंने बताया कि जालसाज पीड़ितों को एक फाइल डाउनलोड करने के लिए भी कहते थे, जिसके माध्यम से वे देश भर में धोखाधड़ी करने के लिए उनके क्रेडिट कार्ड का विवरण प्राप्त करते थे।

बंगालः तृणमूल नेता सब्यसाची दत्ता जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार, लोगों ने गोबर और अंडे फेंके

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के नेता सब्यसाची दत्ता को जबरन वसूली और आपराधिक धमकी के आरोप में मंगलवार तड़के पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले से गिरफ्तार किया गया और आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, बिधाननगर नगर निगम (बीएमसी) के पूर्व महापौर सब्यसाची को एक व्यापारी की शिकायत के आधार पर रायगाची स्थित उनके आवास से पकड़ा गया।

अधिकारी ने बताया कि शिकायत में कहा गया है कि दत्ता ने 2018 में व्यापारी से एक करोड़ से ज्यादा रुपए मांगे थे। हालांकि दत्ता ने खुद पर लगे आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि यदि यह साबित हो जाए कि उन्होंने एक रुपया भी लिया है तो वह फांसी पर लटकने के लिए तैयार हैं।

दत्ता को अदालत लाते और वहां से ले जाते समय लोगों ने उन्हें चोर कहकर पुकारा तथा उनपर गोबर, टमाटर एवं अंडे फेंके। बिधाननगर उपमंडलीय अदालत ने दत्ता को आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

ओडिशा की सरपंच ने लिया मासिक धर्म से जुड़ी वर्जनाएं तोड़ने का संकल्प, शुरू किया अभियान

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के कटक जिले की हरिअंता ग्राम पंचायत की सरपंच पद्मिनी प्रधान ग्रामीण समुदायों में मासिक धर्म से जुड़ी सामाजिक वर्जनाओं को तोड़ने के लिए एक अभियान चला रही हैं।

प्रधान (45) गांव-गांव जाकर किशोरियों, माताओं और बुजुर्ग महिलाओं से मासिक धर्म स्वच्छता, सैनिटरी पैड के सुरक्षित उपयोग और मासिक धर्म से जुड़ी सुविधाओं वाले स्कूलों के महत्व पर चर्चा कर रही हैं।

उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, गांवों में आज भी कई लड़कियां मासिक धर्म के दौरान स्कूल नहीं जातीं क्योंकि शौचालय गंदे होते हैं, पानी की सुविधा नहीं होती या फिर वे शर्म महसूस करती हैं। उन्होंने कहा, हम स्कूलों में शौचालयों को बेहतर बनाने और यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि लड़कियों को आवश्यक सुविधाएं मिलें, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

बिहार के मुख्यमंत्री 'ओछी राजनीति' कर रहे हैं : तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से सरकारी आवास खाली कराने तथा उनके परिवार के कई सदस्यों की सुरक्षा में कटौती करने को लेकर मंगलवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह 'ओछी राजनीति' कर रहे हैं।

यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)सरकार पर भ्रष्ट अधिकारियों और अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया और दावा किया कि राज्य में कानून व्यवस्था ''पूरी तरह से ध्वस्त'' हो गई है।

तेजस्वी यादव ने पटना हवाई अड्डे पर संवाददाताओं द्वारा उनकी मां राबड़ी देवी के आवास को लेकर हालिया घटनाक्रम के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, '' मैं आप सबको बता दूं कि सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि 'चीप मंत्री' हैं। मकान और हमारी सुरक्षा को लेकर उनकी बयानबाजी सरकार की विफलताओं से लोगों का ध्यान भटकाने की सस्ती कोशिश है। उनकी सरकार भ्रष्टाचार के मामलों से घिरी हुई है और केवल खोखले दावों पर चल रही है।'' उन्होंने सवाल किया, ''सरकार राबड़ी देवी को आवंटित आवास को किसी मंत्री को देने पर इतना जोर क्यों दे रही है? उन्हें यह बंगला पूर्व मुख्यमंत्री होने के नाते आवंटित किया गया था। क्या उनका वह दर्जा बदल सकता है? और मुझे अलग से आवास आवंटित किए जाने पर इतना हंगामा क्यों किया जा रहा है? मैं नेता प्रतिपक्ष हूं। क्या सरकार मुझ पर कोई एहसान कर रही है?''

तेजस्वी यादव ने मीडिया के एक धड़े में आई उन खबरों पर कोई टिप्पणी नहीं की, जिनमें कहा गया है कि राबड़ी देवी ने 10, सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास खाली करने पर सहमति दे दी है और वह अगले सप्ताह तक परिवार के निजी मकान में स्थानांतरित हो सकती हैं। उन्होंने हालांकि, राबड़ी देवी के आवास पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को कथित तौर पर हटाए जाने के सवाल पर कहा, ''हम अपनी सुरक्षा के लिए सरकार पर निर्भर नहीं हैं। मुझे अपने पार्टी कार्यकर्ताओं की निष्ठा और साहस पर गर्व है, जो उनकी सुरक्षा के लिए वहां डटे हुए हैं।' तेजस्वी ने राजग सरकार पर आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद और राबड़ी देवी की सुरक्षा में कटौती तथा राबड़ी देवी को सरकारी आवास खाली कराने का प्रयास ''ओछी राजनीति'' का हिस्सा है।

त्रिपुरा सरकार ने राज्य में बाल विवाह के नौ हजार मामलों को रोका : मंत्री टिंकू रॉय

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के समाज कल्याण और सामाजिक शिक्षा मंत्री टिंकू रॉय ने मंगलवार को कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष में प्रशासनिक दखल से राज्य भर में बाल विवाह के नौ हजार से ज्यादा मामलों को सफलतापूर्वक रोका गया। आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, झारखंड, राजस्थान, तेलंगाना, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में बाल विवाह की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, जिला प्रशासन, पुलिस और ग्राम पंचायतों समेत सभी संबंधित पक्षों की बेहतर तालमेल वाली कोशिशों के कारण हर साल बाल विवाह रोकने के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने कहा, वर्ष 2025-26 के दौरान, राज्य में सभी संबंधित पक्षों ने मिलकर बाल विवाह के 9,982 मामलों को रोका। हालांकि हमारे पास संपन्न हुए बाल विवाह का सटीक आकंड़ा नहीं है।

भारत ए ने श्रीलंका ए को आठ रन से हराया, गायकवाड़ का शतक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दाम्बुला/भाषा। भारत ए के लिए वनडे क्रिकेट में पदार्पण करते हुए वैभव सूर्यवंशी 14 रन ही बना सके लेकिन रुतुराज गायकवाड़ के शतक की मदद से भारतीय टीम ने मंगलवार को श्रीलंका ए को आठ रन से हराया ।

श्रीलंका ए जीत के लिए 278 रन के लक्ष्य की ओर बढती दिख रही थी और कप्तान साहान अराछिगे ने 72 गेंद में 74 रन बनाये लेकिन मेजबान टीम ने आखिरी चार विकेट दस गेंद के भीतर गंवा दिए जिससे भारत को यह करीबी जीत मिली । इनमें से तीन विकेट आखिरी ओवर में गिरे जिसमें तेज गेंदबाज अरशद खान ने दो विकेट लिए जबकि एक बल्लेबाज रन आउट हुआ। इससे पहले गायकवाड़ ने 101 रन बनाकर भारत ए को छह विकेट पर 277 रन तक पहुंचाया । स्पिनर आयुष बडोनी और अनुकूल रॉय ने दो दो विकेट लिए । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके साहान टीम को जीत के करीब ले आये थे लेकिन अंशुल कम्बोज की गेंद पर बोल्ड हो गए । पारी के आखिर में लगातार विकेट गंवाकर श्रीलंका ए ने तिलक वर्मा की कप्तानी वाली भारत ए टीम को जीत तोहफे में दे दी।

भारत ए को अब 11 जून को अफगानिस्तान ए से खेलना है । यह मैच निरोशन डिकवेला (45 गेंद में 47 रन) की वापसी का भी था जिन्होंने श्रीलंका के पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर अविष्का फर्नांडो (59 गेंद में 45) के साथ पहले विकेट के लिए 93 रन जोड़े । दोनों बडोनी को स्लॉग स्वीप लगाने के चक्का में कैच देकर आउट हुए । इससे पहले भारत ए ने पांच ओवर में 16 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे । सूर्यवंशी और प्रभसिमरन सिंह जल्दी आउट हो गए । उपकप्तान गायकवाड़ ने हालांकि 112 गेंद में अपना 21वां लिस्ट ए शतक पूरा किया । तिलक ने 97 गेंद में 60 रन बनाकर गायकवाड़ के साथ चौथे विकेट के लिए 150 रन जोड़े । बडोनी ने 18 गेंद में 24 और सूर्यांश शेडगे ने 14 गेंद में नाबाद 26 रन बनाये । प्रियांश आर्य ने 32 गेंद में 32 रन की पारी खेली ।

सुविचार

वक्त की मार से कभी परेशान मत होना, याद रखना कुम्हार मिट्टी को कूटता है सिर्फ उसे सुंदर आकार देने के लिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

टीएफआर : दावे, चिंता और सच्चाई

जब से अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क ने भारत की कुल प्रजनन दर (टीएफआर) के बारे में टिप्पणी की है, कई यूट्यूबर और टीवी चैनल ऐसा माहौल बनाने में जुट गए हैं कि देश में जनसंख्या वृद्धि रुक गई है, भविष्य में सिर्फ बुजुर्ग दिखाई देंगे और युवा तो कहीं ढूंढ़ने पर भी नहीं मिलेंगे! जनसंख्या जैसे विषय पर पर्याप्त अध्ययन के बाद ही कोई राय देनी चाहिए। पिछले पांच दशकों की बात करें तो यह सच है कि भारत में टीएफआर में गिरावट आई है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि जनसंख्या वृद्धि पर पूर्ण विराम लग गया है और भविष्य में कामकाज करने के लिए युवा ही नहीं बचेंगे। जनसंख्या आज भी बढ़ रही है, बस उसकी रफ्तार कुछ कम हो गई है। देश में लाखों युवा बेरोजगार बैठे हैं। वे बीस हजार रुपए की नौकरी के लिए दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन कुछ लोगों को अचानक इस बात की चिंता सताने लगी है कि भविष्य में कामकाजी लोग नहीं रहेंगे! जो अभी काम ढूंढ़ रहे हैं, उनका क्या? पश्चिमी देशों के कुछ उद्यमी अलग ही दुनिया में रहते हैं। वे अपने वातानुकूलित कक्ष में बैठकर अंग्रेजी में जो कुछ लिख देते हैं, दुनिया में उसे अंतिम सत्य मान लिया जाता है। वे खुद को घनघोर बुद्धिजीवी साबित करने के लिए नए-नए शिगूफे छोड़ते रहते हैं। वे कहते हैं कि 'भविष्य में पृथ्वी जैसा कोई दूसरा ग्रह खोज लिया गया तो उस पर बसाने के लिए लोग कम पड़ जाएंगे ... हम इतने लोग कहां से लाएंगे?' कोई इनसे पूछे, 'पृथ्वी जैसा दूसरा ग्रह खोज भी लिया तो क्या आम आदमी वहां जा पाएगा?' ऐसे अभियानों पर अरबों डॉलर खर्च होते हैं। क्या कोई पश्चिमी उद्योगपति अपनी जेब से यह रकम देगा? कभी नहीं; हमारे लिए यह पृथ्वी ही संसार है। अंतरिक्ष अनुसंधान करना अच्छी बात है, लेकिन हमें रहना पृथ्वी पर ही है। पृथ्वीवासियों का कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। क्या आज ऐसा हो रहा है?

दरअसल पश्चिमी उद्योगपति जनसंख्या को लेकर ऐसे राग इसलिए अलापते रहते हैं, ताकि उन्हें सस्ते मजदूर मिलें, तैयार ग्राहक मिलें, बहुत बड़ा बाजार मिले। आज पढ़ाई, इलाज, आवास, खानपान, परिवहन सबकुछ इतना महंगा हो गया है कि लोग एक बच्चे का पालन-पोषण बड़ी मुश्किल से कर पाते हैं। भारत में ऐसे युवाओं की संख्या बढ़ती जा रही है, जो विवाह नहीं करना चाहते। अगर करते हैं तो संतान को जन्म नहीं देना चाहते, क्योंकि उन्होंने पढ़ाई और नौकरी में जो कुछ बर्दाश्त किया है, उसे अगली पीढ़ी पर नहीं डालना चाहते। एलन मस्क की तरह जिन कथित बुद्धिजीवियों को भारत के आम आदमी के जीवन से जुड़ीं समस्याओं की कोई जानकारी नहीं होती और वे टीएफआर बढ़ाने की बातें करते रहते हैं, उन्हें गर्मी के मौसम में कम से कम एक दिन ट्रेन के जनरल डिब्बे में सफर करना चाहिए। उन्हें दो दिन किसी सरकारी अस्पताल में भर्ती होकर अपने अनुभव लिखने चाहिएं। उन्हें तीन दिन दफ्तरों में नौकरी के लिए प्रार्थना पत्र देने चाहिएं। चौथे दिन वे सारे उपदेश भूल जाएंगे। आज भारत की जनसंख्या 140 करोड़ से ज्यादा बताई जा रही है। जिस दिन यह 170 करोड़ हो जाएगी, तब क्या स्थिति होगी? इतने लोगों को रोजगार कहां से देंगे? क्या हवा सांस लेने लायक रहेगी? क्या पेयजल सबको सुलभ हो पाएगा? क्या सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं मिल पाएंगी? आज का युवा जनसंख्या विस्फोट की भारी कीमत चुका रहा है। जब लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तब ज्यादा संतानोत्पत्ति की अपील करना कहां की अक्लमंदी है? हां, इस बात पर आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि आज भी कई लोग आधा दर्जन से लेकर डेढ़ दर्जन तक बच्चे पैदा कर रहे हैं। उन्हें न बच्चों की शिक्षा से मतलब है, न देश के संसाधनों की कोई परवाह है। ऐसे लोगों के लिए उचित कानून बनाकर उन्हें कठोर दंड देना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

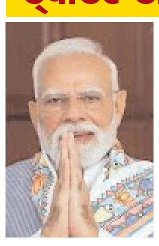

धरती माता पिता भगवान बिरसा मुंडा के शहीदी दिवस पर मैं उन्हें नमन करता हूँ। उन्होंने जल, जंगल और ज़मीन की रक्षा के लिए विदेशी शासन के खिलाफ़ अदम्य साहस के साथ लड़ाई लड़ी।मातृभूमि के लिए सब कुछ कुर्बान करने की उनकी गाथा देश की हर पीढ़ी में देशभक्ति की प्रेरणा देती रहेगी।

-नरेन्द्र मोदी

जयपुर के खो नागोरियान इलाके में हुए हादसे में जान जाने की खबर दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है।जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को राहत और बचाव कार्यों में पूरी तत्परता से काम करने और प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद देने के निर्देश दिए गए हैं।

-भजनलाल शर्मा

जयपुर के खो नागोरियान क्षेत्र स्थित पटाखा फैक्ट्री में लगी भीषण आग की घटना अत्यंत दु:खद एवं हृदयविदारक है। इस हादसे में जान गंवाने वाले सभी दिवंगतों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ हैं।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

हार के बाद की जीत

स्टीव जॉब्स का जीवन शुरुआत से ही संघर्षों की एक लंबी दास्तान था। इस घोर अभाव के बीच उन्होंने अपने दोस्त के गैराज से 'एप्पल' कंपनी की शुरुआत की। मेहनत और विजन के बल पर एप्पल दो अरब डॉलर की कंपनी बन गई, जिसमें चार हजार कर्मचारी काम करते थे। लेकिन तभी कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के साथ वैचारिक मतभेद के कारण, उन्हें साल 1985 में, कंपनी से निकाल दिया गया। वे कई महीनों तक गहरे अवसाद में रहे। लेकिन उनके भीतर का सृजक अभी मरा नहीं था। उन्होंने अपनी हार को स्वीकार किया और 'नेक्स्ट' और 'पिक्सर' नाम की नई कंपनियां शुरू कीं। पिक्सर ने दुनिया की पहली कंप्यूटर एनिमेटेड फिल्म 'टॉय स्टोरी' बनाई और इतिहास रच दिया। इसी बीच, स्टीव जॉब्स के बिना एप्पल कंपनी दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गई। अंततः 1997 में एप्पल को जॉब्स की कंपनी 'नेक्स्ट' को खरीदना पड़ा और स्टीव जॉब्स की एप्पल में दोबारा वापसी हुई। वापस आते ही उन्होंने आईमैक, आईपॉड और आईफोन जैसे क्रांतिकारी प्रोडक्ट पेश किए। जॉब्स ने बाद में कहा था, 'एप्पल से निकाला जाना मेरी जिंदगी की सबसे कड़वी दवा थी, लेकिन मरीज को इसकी सख्त जरूरत थी।

सामयिक

भारत रूस संबंधों की अहमियत को पुतिन ने फिर समझा दिया

अखिलेश आर्येन्दु
मोबाइल : 7065315677

पुतिन चाहते हैं कि भारत को किसी भी क्षेत्र में किसी भी तरह का अमेरिकी दबाव न झेलना पड़े। इसलिए वे भारत के हर क्षेत्र को सुगम बनाकर आपसी रिश्तों को और भी मजबूत बनाने की कोशिश में लगे हैं, जिसमें रूस का ही हित नहीं छिपा है, बल्कि इसमें भारत का भी उतना ही हित है। इसलिए मोदी सरकार रूस से रिश्तों की अहमियत को लगातार मजबूत और सुढ़ बनाने में लगी है।

भारत दुनिया की अग्रणी और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं वाला देश है। पीएम मोदी के नेतृत्व में मिली यह सफलता कड़ी मेहनत का परिणाम है। रूस भारत को अपना विश्वासनीय साझेदार मानता है। सेंट पीटर्सबर्ग में भारत और रूस के संबंधों और संबंधों की अहमियत के बारे में पूछे गए मीडिया के तमाम सवालों का जवाब रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने देकर अमेरिका को साफ संदेश ही नहीं दिया, बल्कि रूस-भारत संबंधों को कमजोर न करने की सलाह भी दे डाली। गौर करने वाली बात यह है कि पुतिन ने भारत-रूस संबंधों की अहमियत और आपसी विश्वासनीयता को उन्होंने अटूट और समझदारी से बधा हुआ कहा। उन्होंने यह भी कहा,-भारत पर अमेरिकी दबाव की कोई कोशिश सफल नहीं होगी। इसकी वजह पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी की दबाव-मुक्त बेहतर विदेश नीति से चलना बताया। गौर तलब है पुतिन दूसरी बार 12-13 सितंबर को ब्रिक्स देशों की बैठक में शामिल होने के लिए भारत आ रहे हैं। उनका यह बयान अब और भी महत्वपूर्ण इसलिए माना जा रहा है क्योंकि जल्द ही भारत-अमेरिका के बीच व्यापारिक समझौता होने जा रहा है। और पुतिन द्वारा भारत की आर्थिक संमृद्धि को लेकर की गई सराहना भी कई नजरिए से अमेरिका, चीन और पाकिस्तान को यह संदेश देना जैसा भी है कि भारत-रूस के रिश्तों को किसी देश विशेष के संदर्भ में नहीं देखा जाना चाहिए। गौर करने वाली बात है कि चीन, रूस और पाकिस्तान के रिश्तें पहले से बेहतर हुए हैं और यह चर्चा होनो लगी है कि रूस क्या भारत से ज्यादा अहमियत चीन को देने लगा है, क्यों कि अमेरिका-ईरान संघर्ष के दोरान चीन और रूस ने ईरान का खुलकर साथ दिया, जिसमें पाकिस्तान भी पर्दे के पीछे शामिल था।

पुतिन ने भारत और रूस के रिश्तों को विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी करार दिया और यह कहा कि भारत के रूस से रिश्ते हाल के वर्षों में नहीं विकसित हुए हैं, बल्कि भारत की आजादी 1947 में मिलने के बाद (तत्कालीन) सोवियत संघ और भारत के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने के बाद से ही रिश्ते निरंतर बेहतर होते चले गए। तब से रूस और भारत एक विश्वासनीय और रणनीतिक तौर पर एक-दूसरे से जुड़े हैं और आज भी हम दोनों के अटूट संबंध सहयोगात्मकता और रणनीतितात्मकता के साथ बने हुए हैं। कौन नहीं जानता कि भारत की आजादी के बाद से ही रूस ने हर मोके पर भारत का एक सच्चे विश्वासनीय मित्र की तरह साथ दिया। तब से लेकर आज तक रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष और विज्ञान, व्यापारिक, सांस्कृतिक और साहित्य के क्षेत्र में बेजोड़ रिश्ते हैं। एनडीए शासन के बारह वर्षों में दोनों देशों के संबंध लगातार मजबूत और विश्वासनीय हुए हैं। मोदी की नेतृत्व में भारत हर क्षेत्र में आज जिस ऊंचाई पर पहुंचा है उसकी सराहना महज रूस ही नहीं, बल्कि सभी विकसित देश कर रहे हैं। यही वजह है कि पुतिन मोदी की नेतृत्व क्षमता के कायल हैं और प्रशंसक भी हैं। जाहिर सी बात है पिछले बारह सालों में देश ने तेज रफ्तार से विकास और प्रगति की है। इस प्रगति से हमारा सच्चा दोस्त रूस के लिए भी अतीव प्रसन्नता का विषय है। वहीं पर तमाम वे देश जो भारत की प्रगति को पचा नहीं पा रहे है, वे मोदी की तारीफ सुन, कुढ़ते नज़र आते हैं।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खुलकर रूस और इसराइल जिस तरह से भारत का साथ और समर्थन करते हैं, वह भी रूस भारत की पक्की व विश्वासनीय दोस्ती का ही प्रमाण है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और ब्रिक्स सहित तमाम वैश्विक मंचों पर भारत की संप्रभुता और कश्मीर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भारत का मजबूत राजनयिक समर्थन रूस करता रहा है। इसी तरह दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने और परिवहन सम्पर्क को मजबूत करने के लिए इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (आईएनएसटीएस) और व्लादिवोस्तोक-चेन्नई समुद्री मार्ग जैसे पहलों पर काम किया है, यह दोनों देशों के मजबूत संबंधों से ही संभव हो पाया। गौर तलब है भारत रूस मैत्री शीत युद्ध के समय भी बेहद करीबी, राजनयिक, रणनीतिक, सैनिक और आर्थिक रूप से एक-दूसरे से दृढ़ता से बंधे रहे हैं। जिसका फायदा भारत और रूस दोनों को मिलता रहा है। पुतिन द्वारा भारत-रूस की दोस्ती पर हाल में दिया गया वक्तव्य दशकों से जारी ऐतिहासिक दोस्ती के परिपेक्ष्य में देखा जाना चाहिए।

दरअसल, भारत-रूस संबंधों की गर्माहट को कम करने के लिए अमेरिका वर्षों से लगा हुआ है। अमेरिका चाहता है कि भारत के रिश्ते रूस से जिन बिंदुओं या आधारों पर टिका हुआ है किसी तरह उन आधारों को कमजोर किया जाए। मिसाल के तौर पर जब अमेरिका ने रूस से तेल न खरीदने के लिए भारत पर दबाव बनाया, लेकिन भारत तब भी रूस से तेल लेता रहा जिसके कारण अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत से आयातित वस्तुओ पर 25 प्रतिशत तक टैरिफ लगा दिए थे, बाद में इरान-अमेरिका संघर्ष के वक्त इसे हटाया गया और रूस से ज्यादा तेल खरीदने की सलाह दी गई। 2026 में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता होते-होते नहीं हो सका, इसकी वजह अमेरिका की हटधर्मिता थी कि भारत अमेरिका से जो वस्तु आयात करे उस पर नाम मात्र का शुल्क लगाए, लेकिन अमेरिका 20 से 30 प्रतिशत तक लगा सकता है, इसे भारत ने अस्वीकार कर दिया था। अब फिर भारत-अमेरिका के बीच व्यापारिक समझौता होने की उम्मीद बड़ गई है, ऐसे में रूस चाहता है कि भारत के ऊपर अमेरिकी दबाव कम से कम हो। पत्रकार के पूछे जाने पर कि अमेरिका या दूसरे पश्चिमी देशों से भारत के रिश्ते मजबूत हो रहे हैं, आप इसे किस तरह देखते हैं तो पुतिन ने कहा-अमेरिका या पश्चिमी देशों के साथ भारत क्या रिश्ते रखता है ,वह भारत तय करेगा, लेकिन उससे हमारे और भारत के रिश्ते में किसी तरह की मजबूती में कमी नहीं आएगी। गौर करने वाली बात यह है कि पुतिन भारत को यह याद दिलाना नहीं भूले कि वे ही हैं जब भारत के साथ हर हालात में साथ खड़े रहे और आगे भी खड़े रहेंगे, यानी भारत दुनिया के दूसरे देशों के साथ अपने हितों को मजबूत करने के मद्देनजर संबंधों को विस्तार देगा, जो उसके लिए जरूरी होगा। यह भारत की विदेश नीति का मामला है, इससे रूस के संबंधों की दिशा-दशा में कोई बदलाव नहीं आएगा। पुतिन का यह संतुलित और बेहद सधा बयान विश्व मीडिया में चर्चा का विषय बना। विदेश मामलों के राजनीति के जानकार अपने नजरिए से इसे तौल रहे हैं। कोई इसे पुतिन और मोदी की दोस्ती की गहराई का परिणाम बता रहा है तो अनेक ऐसे भी राजनीति (रणनीति) के जानकार हैं जो अमेरिका पर भारत पर डाले जा रहे दबाव की एक विश्वसानीय दोस्त की प्रतिक्रिया बता रहा है। हम जिस भी नजरिए से देखें पुतिन का यह बयान भारत को सावधान और दोनों देशों की मित्रता की गहराई का सबब भी है। पुतिन चाहते हैं भारत चाहे जिस देश से अपने संबंध विकसित करे, लेकिन रूस-भारत की दोस्ती पर किसी भी तरह की आंच नहीं आनी चाहिए। इससे भारत का ही भला नहीं होगा, बल्कि रूस का भी होगा। गौर तलब है भारत जिस तरह से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है पुतिन नहीं चाहते कि भारत से उनका व्यापार जो अभी 67 अरब डॉलर का है उसमें कमी आए। रूस की कोशिश तो यह है कि भारत रूस का वार्षिक व्यापार 100 अरब डॉलर तक पहुंचे। यही नहीं, सैन्य सहयोग को और भी मजबूती देने की कोशिश में रूस ने पिछले दिनों सुखोई-57 फाइटर जेट तकनीक पर साथ काम करने का प्रस्ताव भी दिया है। इन सभी कवायदों को देखते हुए भारत-रूस के आपसी संबंध भविष्य में और भी मजबूत और दोनों देशों के रणनीति और सैन्य अभियानों को सफल बनाने में मददगार और सुविधाजनक साबित होंगे।

पुतिन चाहते हैं कि भारत को किसी भी क्षेत्र में किसी भी तरह का अमेरिकी दबाव न झेलना पड़े। इसलिए वे भारत के हर क्षेत्र को सुगम बनाकर आपसी रिश्तों को और भी मजबूत बनाने की कोशिश में लगे हैं, जिसमें रूस का ही हित नहीं छिपा है, बल्कि इसमें भारत का भी उतना ही हित है। इसलिए मोदी सरकार रूस से रिश्तों की अहमियत को लगातार मजबूत और सुदृढ़ बनाने में लगी है। रूस-भारत दोस्ती की मिसाल दुनिया के लिए हैरान करने वाली बनी रहे, यह भारत के विकास और प्रगति में चार चांद लगाने वाले हैं और रहेंगे, हमें इस पर यकीन न करने का कोई कारण नहीं दिखाई देता।

नजरिया

नेत्रदान : अंधकार से प्रकाश की ओर सबसे बड़ा सेतु

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

नेत्रदान मृत्यु के बाद जीवन की निरंतरता का सबसे सुंदर प्रतीक है। यह वह दान है जो किसी अंधे व्यक्ति के जीवन में केवल प्रकाश ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, सम्मान, अवसर और नई आशा भी लाता है। यह विज्ञान, करुणा और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम है। विश्व नेत्रदान दिवस हमें यह संदेश देता है कि मनुष्य का वास्तविक मूल्य उसके संचित धन में नहीं, बल्कि उसके द्वारा किए गए लोककल्याण में है।

मानव जीवन में आंखों का महत्व केवल देखने तक सीमित नहीं है, बल्कि वे हमारी चेतना, संवेदना, ज्ञान और जीवन के सौंदर्य का द्वार हैं। आंखों के माध्यम से ही हम प्रकृति की विविधता, परिवार का स्नेह, समाज की गतिविधियों और संसार की अनंत संभावनाओं का अनुभव करते हैं। इसलिए दृष्टि का अभाव केवल शारीरिक अक्षमता नहीं, बल्कि जीवन के अनेक आयामों से वंचित हो जाने की पीड़ा है। ऐसे में नेत्रदान केवल एक चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसी अंधेरे जीवन में प्रकाश भरने वाला महान मानवीय और आध्यात्मिक उपक्रम है। प्रतिवर्ष 10 जून को मनाया जाने वाला विश्व नेत्रदान दिवस' हमें यह स्मरण कराता है कि मृत्यु के बाद भी हमारा अस्तित्व किसी अन्य व्यक्ति के जीवन में रोशनी बनकर जीवित रह सकता है। यह दिवस केवल जागरूकता का अवसर नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, सामाजिक उत्तरदायित्व और परोपकार की संस्कृति को सशक्त करने का अभियान है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में करोड़ों लोग दृष्टिबाधिता और अंधता से प्रभावित हैं। भारत में भी लाखों लोग कॉर्निया संबंधी रोगों के कारण दृष्टि खो चुके हैं। विशेष चिंता की बात यह है कि कॉर्निया की खराबी से होने वाली अंधता के अनेक मामलों का उपचार संभव है, किंतु पर्याप्त नेत्रदान न होने के कारण लाखों मरीज वर्षों तक प्रतीक्षा सूची में बने रहते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार कॉर्निया प्रत्यारोपण चिकित्सा विज्ञान की सबसे सफल प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं में से एक है, जिसकी सफलता दर 95 से 98 प्रतिशत तक मानी जाती है। इसके बावजूद देश में आवश्यकता की तुलना में उपलब्ध कॉर्निया की संख्या बहुत कम है। हर वर्ष लाखों लोगों को कॉर्निया की जरूरत होती है, लेकिन दान की संख्या अपेक्षाकृत बहुत कम रहती है। यह स्थिति बताती है कि समस्या चिकित्सा संसाधनों की नहीं, बल्कि जागरूकता और सामाजिक संकल्प की है।

भारतीय संस्कृति में दान को धर्म का आधार माना गया है। अन्नदान भूख मिटाता है, वस्त्रदान शरीर को ढंकता है, धनदान आर्थिक सहायता देता है, किंतु नेत्रदान किसी व्यक्ति को जीवन का नया अनुभव प्रदान करता है। इसीलिए इसे महादान या जीवनदान की श्रेणी में रखा गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपनी आंखें दान करता है, तब वह केवल एक अंग नहीं देता, बल्कि किसी अंधे व्यक्ति को संसार देखने का अवसर प्रदान करता है। वह किसी बच्चे को शिक्षा का मार्ग, किसी युवा को रोजगार की संभावना और किसी वृद्ध को आत्मनिर्भरता की शक्ति देता है। यह दान ऐसा है जिसमें दाता को कोई हानि नहीं होती, लेकिन प्राप्तकर्ता का संपूर्ण जीवन बदल जाता है। भारतीय परंपरा में महर्षि दधीचि का उदाहरण त्याग और देहदान की सर्वोच्च मिसाल माना जाता है। उन्होंने लोककल्याण के लिए अपना शरीर समर्पित किया था। नेत्रदान उसी परंपरा की आधुनिक अभिव्यक्ति है। यह मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा का अवसर प्रदान करता है। वास्तव में नेत्रदान वह पुण्य है जिसमें दाता का शरीर समाप्त हो जाता है, किंतु उसकी दृष्टि किसी और के जीवन में प्रकाश बनकर जीवित रहती है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने नेत्रदान की उपयोगिता को और अधिक व्यापक बना दिया है। पहले एक दाता की दोनों आंखों से केवल दो व्यक्तियों को लाभ मिलता था, किंतु नई तकनीकों के माध्यम से एक कॉर्निया के विभिन्न भागों का उपयोग करके अधिक लोगों की सहायता संभव हो रही है। आज एक नेत्रदाता कई व्यक्तियों के जीवन में प्रकाश ला सकता है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि नेत्रदान के लिए किसी विशेष आयु की आवश्यकता नहीं होती। 80 या 90 वर्ष की आयु वाले व्यक्ति की आंखें भी उपयोगी हो सकती हैं। चश्मा पहनने वाले, मधुमेह या उच्च रक्तचाप से पीड़ित व्यक्ति भी अधिकांश स्थितियों में नेत्रदान कर सकते हैं। यह भ्रांति कि केवल पूर्णतः स्वस्थ व्यक्ति ही नेत्रदान कर सकते हैं, पूरी तरह गलत है। मृत्यु के बाद 4 से 6 घंटे के भीतर कॉर्निया सुरक्षित निकाल लिया जाता है और पूरी प्रक्रिया अत्यंत सम्मानपूर्वक संपन्न होती है। इससे मृतक के चेहरे की बनावट में कोई विकृति नहीं आती और अंतिम संस्कार में भी कोई बाधा नहीं होती।

सभी प्रमुख धर्म मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म मानते हैं। किसी भी धर्मग्रंथ में नेत्रदान या अंगदान का निषेध नहीं है। इसके विपरीत, परोपकार, दया और करुणा को आध्यात्मिक उन्नति का आधार बताया गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपने नेत्र दान करता है, तो वह यह संदेश देता है कि जीवन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी जिया जाना चाहिए। यह भावना व्यक्ति को संकीर्ण स्वार्थ से ऊपर उठाकर व्यापक मानवता से जोड़ती है।

नेत्रदान मृत्यु के बाद जीवन की निरंतरता का सबसे सुंदर प्रतीक है। यह वह दान है जो किसी अंधे व्यक्ति के जीवन में केवल प्रकाश ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, सम्मान, अवसर और नई आशा भी लाता है। यह विज्ञान, करुणा और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम है। विश्व नेत्रदान दिवस हमें यह संदेश देता है कि मनुष्य का वास्तविक मूल्य उसके संचित धन में नहीं, बल्कि उसके द्वारा किए गए लोककल्याण में है। यदि हमारी मृत्यु के बाद हमारी आंखें किसी की दुनिया रोशन कर सकती हैं, तो इससे बड़ा पुण्य, इससे बड़ी सेवा और इससे बड़ी मानवता की साधना शायद कोई नहीं हो सकती। आइए, हम संकल्प लें कि जीवन की अंतिम यात्रा के बाद भी हमारी आंखें किसी और के सपनों को देखने का माध्यम बनें। हमारा नेत्रदान किसी अंधेरी जिंदगी में सूर्योदय बनकर उभरे, यही विश्व नेत्रदान दिवस' की सार्थकता है, यही सच्चा धर्म है और यही मानवता का उज्ज्वल भविष्य है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

पासपोर्ट लेते श्रद्धालु

पांचवें सिख गुरु, गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी दिवस के अवसर पर पाकिस्तान जाने से पहले मंगलवार को अमृतसर के स्वर्ण मंदिर (गोल्डन टेम्पल) परिसर में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अधिकारियों से अपने पासपोर्ट लेते सिख श्रद्धालु।

भारतीय ऑनलाइन खरीदार 'डार्क पैटर्न' के कारण सालाना 28,000 करोड़ रुपए का उठा रहे नुकसानः रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। भारत में ऑनलाइन बाजारों में इस्तेमाल किए जा रहे भ्रामक 'इंटरफेस डिजाइन' (डार्क पैटर्न) के कारण उपभोक्ताओं को हर साल अनुमानित 25,000 करोड़ से 28,000 करोड़ रुपए तक का नुकसान हो रहा है। एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है।

बाजार पर शोध करने वाली फर्म 'डेटम इंटेलिजेंस' ने मंगलवार को जारी 'डार्क पैटर्न इन इंडिया' रिपोर्ट में कहा है कि देश के 30.4 करोड़ ऑनलाइन खरीदारों में से 88 प्रतिशत उपभोक्ता छिपे हुए शुल्क, जबरन अतिरिक्त सेवाओं, झूठी तात्कालिकता और सब्सक्रिप्शन के जाल जैसे तरीकों के कारण हर महीने लगभग 78 से 87 रुपए तक गंवा रहे हैं।

'डार्क पैटर्न' एक ऐसा जाल है, जो ऑनलाइन मंचों में उपयोगकर्ताओं को खरीदारी करने के लिए भ्रमित या मजबूर करने के मकसद से तैयार किया जाता है। इसमें छिपे शुल्क समेत अन्य लुभावने अवसर दिए जाते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया, मौजूदा नियामकीय हस्तक्षेपों को अब तक लाखों उपभोक्ताओं को प्रभावित करने वाली भ्रामक डिजिटल व्यवहार पर अंकुश लगाने में सीमित रूप से ही सफलता मिल सकी है।

सर्वेक्षण के अनुसार, अब 63 प्रतिशत ऑनलाइन भुगतान उपयोगकर्ता छिपे हुए शुल्क का सामना कर रहे हैं, जिसमें खरीदारी के अंतिम चरण में अतिरिक्त शुल्क जोड़े जाते हैं। यह आंकड़ा वर्ष 2024 में 52 प्रतिशत था।

इसके अलावा, अध्ययन में शामिल 73 प्रतिशत मंच पर फोर्स्ड एक्शन मैकेनिज्म (जबरन कार्रवाई) पाए गए, जिनमें उपयोगकर्ताओं को ऐसे कदम उठाने के लिए मजबूर किया जाता है।

प्रदर्शन

तृणमूल कांग्रेस के नेता और बिधाननगर नगर निगम के पूर्व अध्यक्ष सब्यसाची दत्ता की बिधाननगर उत्तर थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के विरोध में मंगलवार को साल्ट लेक, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में प्रदर्शन करते भाजपा कार्यकर्ता।

उत्तर कोरिया के नेता किम के साथ महत्वपूर्ण सहमति बनी : चिनफिंग

बीजिंग/भाषा। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने मंगलवार को उत्तर कोरिया की अपनी यात्रा संपन्न की और कहा कि वह दोनों देशों के बीच संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए किम जोंग उन के साथ एक महत्वपूर्ण सहमति पर पहुंचे हैं।

उत्तर कोरिया, चीन का रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पड़ोसी देश है। सोमवार को प्योंगयांग में भव्य स्वागत किए जाने के बाद, शी ने उत्तर कोरिया के नेता किम को चीन के अटूट समर्थन का आश्वासन दिया, जिन्होंने हाल के वर्षों में रूस के साथ संबंधों को प्रगाढ़ किया है, जिससे बीजिंग काफी असहज हो गया है। शी की दो दिवसीय यह यात्रा 2019 के बाद उत्तर कोरिया की उनकी पहली यात्रा थी और इस वर्ष शी चिनफिंग की यह पहली विदेश यात्रा भी है।

दोनों रणनीतिक सहयोगियों के बीच किसी ठोस समझौते की कोई घोषणा नहीं हुई और चीनी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु निरस्त्रीकरण पर किसी भी वार्ता से संबंधित सवालों का जवाब देने से इनकार कर दिया।

उत्तर कोरिया, जिसने 2006 से कई परमाणु परीक्षण किए हैं, सार्वजनिक रूप से खुद को परमाणु-आयुध से लैस देश बताता है, लेकिन बीजिंग कोरियाई प्रायद्वीप पर परमाणु हथियारों के विरोध में है और परमाणु निरस्त्रीकरण का समर्थन करता है। शी की यात्रा से पहले, किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने सरकारी समाचार एजेंसी 'केसीएनए' के माध्यम से कहा था कि उत्तर कोरिया कभी भी खुद के परमाणु-सशस्त्र होने का दर्जा नहीं छोड़ेगा और अपने परमाणु शस्त्रागार का विस्तार करना जारी रखेगा। उन्होंने उन खबरों को भी खारिज कर दिया जिनमें कहा गया था कि शी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच, अमेरिकी नेता की हालिया बीजिंग यात्रा के दौरान हुई बातचीत में प्रायद्वीप के परमाणु निरस्त्रीकरण का मुद्दा उठा था। उत्तर कोरिया की शी की यात्रा के परिणामों पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने संकेत दिया कि कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु निरस्त्रीकरण पर बीजिंग के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है।

परमाणु निरस्त्रीकरण से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, चीन कोरियाई प्रायद्वीप के मुद्दे पर अपनी स्थिति और नीति में निरंतरता और स्थिरता बनाए हुए है। उन्होंने कहा, चीन कूटनीति, कानून प्रवर्तन, सैन्य और अन्य क्षेत्रों में उत्तर कोरिया के साथ आदान-प्रदान बढ़ाने के लिए तैयार है।

ऑपरेशन ब्लू स्टार 'काला दिन', सैन्य कार्रवाई में मारे गए लोग 'शहीद' : भाजपा नेता गिरीश महाजन

मुंबई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री गिरीश महाजन ने 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' को काला दिन करार देकर और सैन्य कार्रवाई में मारे गए लोगों को शहीद बताकर विवाद खड़ा कर दिया है।

महाजन ने 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' की तुलना स्वर्ण मंदिर पर अफगान शासक अहमद शाह अब्दाली के आक्रमण से करते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की आलोचना भी की। कांग्रेस ने महाजन की टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा पर पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले खालिस्तान के मुद्दे को हवा देने का आरोप लगाया। वहीं, शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-उबाठा) ने महाजन को मंत्री पद से हटाने की मांग की।

महाजन पिछले शनिवार को अमृतसर के दमदमी टकसाल मुख्यालय में आयोजित 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' की बरसी में हिस्सा लेने वाले किसी राज्य सरकार के पहले प्रतिनिधि बने। उन्होंने समारोह को संबोधित करते हुए कहा, हमारे लिए 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' एक काला दिन है। इसमें हमारे भाई-बहन मारे गए। महाजन ने 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' को सिख समुदाय के पवित्र स्थल पर सैन्य हमला करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सेना को जबरदस्ती पंजाब और पवित्र स्थल (स्वर्ण मंदिर) के अंदर भेजा था। महाजन ने कहा, यह हमारे पवित्र स्थल पर एक सैन्य हमला था। इंदिराजी ने जबरदस्ती उन्हें (सेना को) पंजाब और हमारे पवित्र स्थल पर भेजा।

आशीर्वाद

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को लखनऊ में आयोजित नौ दिवसीय 'श्री राम कथा महोत्सव' के समापन कार्यक्रम के दौरान पद्म विभूषण जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी से आशीर्वाद लेते हुए।

कपूर खानदान के सबसे बड़े 'कंजूस' हैं रणधीर कपूर, करिश्मा कपूर ने सुनाया लंदन शॉपिंग का मजेदार किस्सा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर अपने पिता रणधीर कपूर के साथ कॉमेडी शो 'द कपिल शर्मा शो' में पहुंचीं। बातचीत के दौरान उन्होंने परिवार को लेकर कई दिलचस्प खुलासे किए। दरअसल, शो के दौरान होस्ट कपिल शर्मा ने करिश्मा कपूर से सवाल किया कि कपूर परिवार में सबसे बड़ा कंजूस कौन है। इस पर उन्होंने सीधे रणधीर कपूर की ओर इशारा करते हुए कहा कि वह ही परिवार के 'कंजूस कपूर' हैं। करिश्मा ने अपने पिता के बारे में बताते हुए कहा, ''वह पैसे खर्च करने के मामले में बेहद सावधान रहते हैं। वह हर खर्च को सोच-समझकर करते हैं और बिना जरूरत किसी चीज पर पैसा खर्च करना पसंद नहीं करते।'' बेटी की बात सुनने के बाद रणधीर कपूर ने भी अपनी सफाई पेश की। उन्होंने कहा, ''मेरी सोच केवल 'वैल्यू फॉर मनी' की है। मेरा मानना है कि किसी भी चीज पर तभी पैसा खर्च करना चाहिए जब वह जरूरी हो।''

इसके बाद करिश्मा ने अपने पिता की शॉपिंग से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया, जब हम सभी छुट्टियां मनाने के लिए लंदन जाते थे, तो सभी लोग शॉपिंग को लेकर काफी उत्साहित रहते थे। हर कोई नए कपड़े, जूते और दूसरे सामान खरीदने में बिजी रहता था। लेकिन पापा का अंदाज बाकी सभी से बिल्कुल अलग होता था।

करिश्मा ने आगे कहा, ''जब मैं पापा से पूछती थी कि आपने शॉपिंग में क्या खरीदा है, तो वह बड़े गर्व से बताते थे कि मैंने दो जोड़ी मोजे खरीदे हैं। कई बार मैं पापा को दोबारा शॉपिंग करने के लिए भेजती थी, ताकि वह अपने लिए कुछ और सामान खरीद सकें। लेकिन जब वह वापस आते थे तो उनके पास सिर्फ दो जोड़ी मोजे और दो रूमाल होते थे।'' इस पर सफाई देते हुए रणधीर कपूर ने कहा, ''एक आदमी को आखिर और क्या चाहिए? कुछ जोड़ी मोजे, कुछ रूमाल, कुछ टाई, दो-चार शर्ट और एक-दो पैंट काफी हैं।''

डेली सोप में काम करना आसान नहीं, लेकिन यही संघर्ष मुझे मजबूत बनाता है : नेहा हरसोरा

मुंबई/एजेन्सी

टीवी शो में हर रोज नए एपिसोड लाने के लिए कलाकारों और पूरी टीम को कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। कई बार घंटों शूटिंग करनी पड़ती है, कम समय में डायलॉग्स याद करने पड़ते हैं और अलग-अलग इमोशन्स वाले सीन्स को तुरंत निभाना पड़ता है। ऐसे माहौल में काम करना किसी चुनौती से कम नहीं होता। इस पर बात करते हुए टीवी अभिनेत्री नेहा हरसोरा ने डेली सोप में काम करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह सफर आसान नहीं है, लेकिन यही मुश्किलें उनके काम को खास बनाती हैं। नेहा हरसोरा ने कहा, डेली सोप में काम करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। यह काम कई बार शारीरिक और मानसिक रूप से थका देने वाला होता है। जिंदगी में जो चीजें आसानी से मिल जाती हैं, उनमें वह संतुष्टि नहीं होती, जो कड़ी मेहनत के बाद मिलने वाली सफलता में होती है। अभिनय का पेशा कभी भी आसान नहीं रहा है और शायद यही वजह है कि यह मुझे इतना पसंद है।

अपने अनुभवों को साझा करते हुए नेहा ने कहा, कई बार शूटिंग के दौरान कलाकारों को सीन शुरू होने से कुछ मिनट पहले ही लाइन्स दिए जाते हैं। ऐसे में उन्हें तुरंत याद करना और बिना गलती के कैमरे के सामने प्रस्तुत भी करना पड़ता है। कई बार ऐसा भी होता है कि एक सीन में कलाकार को रोना होता है और कुछ ही देर बाद दूसरे सीन में हंसना पड़ता है। इतनी जल्दी इमोशन्स बदलना आसान नहीं होता, लेकिन डेली सोप का हिस्सा होने के कारण कलाकारों को यह सब करना पड़ता है। नेहा ने कहा, डेली सोप का शूटिंग शेड्यूल इतना व्यस्त होता है कि कलाकार अपने घर से ज्यादा समय सेट पर बिताते हैं। सुबह से लेकर देर रात तक शूटिंग चलती रहती है। कई बार परिवार के साथ समय बिताने का मौका भी बहुत कम मिलता है। जब किसी ने अभिनेता बनने का सपना चुना है, तो उसे इस तरह की चुनौतियों के लिए भी तैयार रहना चाहिए।

कुछ ही दिन में नौकरी से निकाली गई थीं सोनम कपूर, आगे चलकर बनीं बॉलीवुड की फैशन क्वीन

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में अक्सर स्टार किड्स की जिंदगी को बेहद आसान माना जाता है, लेकिन कई बार चमक-दमक के पीछे ऐसी कहानियां छिपी होती हैं, जिनसे लोग अनजान होते हैं। हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर की बेटी सोनम कपूर आज भले ही देश की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों और फैशन आइकन में गिनी जाती हों, लेकिन उनकी जिंदगी में भी ऐसे दौर आए जब उन्हें छोटी-सी नौकरी करनी पड़ी और वह भी ज्यादा दिनों तक नहीं चल सकी। सोनम कपूर का जन्म 9 जून 1985 को मुंबई के चेंबूर में हुआ था। वह अभिनेता अनिल कपूर और पूर्व मॉडल सुनीता कपूर की बड़ी बेटी हैं। फिल्मी परिवार में जन्म लेने के बावजूद सोनम का सपना शुरू से अभिनेत्री बनने का नहीं था। उन्हें लेखन और निर्देशन में ज्यादा रुचि थी। अपनी पढ़ाई के दौरान वह सिंगापुर भी गईं। इसी दौरान उन्होंने अपने खर्चों और पॉकेट मनी के लिए एक रेस्टोरेंट में वेट्रेस की नौकरी की। हालांकि यह नौकरी ज्यादा समय तक नहीं चल सकी और कुछ ही दिनों बाद उन्हें वहां से हटा दिया गया। सोनम ने खुद कई इंटरव्यू में इस अनुभव का जिक्र किया है। फिल्मों में आने से पहले सोनम का वजन काफी ज्यादा था। एक समय उनका वजन लगभग 90 किलो तक पहुंच गया था। उन्हें पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम और हार्मोनल समस्याओं का भी सामना करना पड़ा। लेकिन उनकी जिंदगी में बड़ा बदलाव तब आया, जब उन्होंने निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ फिल्म 'ब्लैक' में असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम किया। भंसाली ने ही उन्हें अभिनय में आने के लिए प्रेरित किया और वजन कम करने की सलाह दी। सोनम ने कड़ी मेहनत से लगभग 35 किलो वजन कम किया और अभिनय की तैयारी शुरू की।

साल 2007 में सोनम कपूर ने संजय लीला भंसाली की फिल्म 'सांवरिया' से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म से रणबीर कपूर ने भी अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही, लेकिन सोनम को नई पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने 'दिल्ली-6', 'आई हेट लव स्टोरीज', 'आयशा', 'मौसम' और 'प्लेयर्स' जैसी फिल्मों में काम किया। शुरुआती सालों में उन्हें कई असफलताओं का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने अपने प्रयास जारी रखे।सोनम के करियर में साल 2013 शानदार रहा। इस साल फिल्म 'रांझणा' रिलीज हुई। इस फिल्म में उनके अभिनय को खूब सराहा गया। इसके बाद 'भाग मिल्खा भाग', 'खूबसूरत', 'प्रेम रतन धन पायो', 'पैडमैन', 'वीरे दी वेडिंग' और 'संजू' जैसी सफल फिल्मों ने उनके करियर को नई ऊंचाई दी। हालांकि, उनके करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्मों में 'नीरजा' को प्रमुख माना जाता है। एयर होस्टेस नीरजा भनोट के जीवन पर आधारित इस फिल्म में उनके अभिनय की दर्शकों और समीक्षकों ने जमकर प्रशंसा की।

'नीरजा' के लिए सोनम कपूर को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में स्पेशल मेंशन सम्मान मिला। इसके अलावा, उन्हें फिल्मफेयर क्रिटिक्स बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड भी दिया गया। यह फिल्म उनके करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिनी जाती है। अभिनय के अलावा, सोनम ने फैशन की दुनिया में भी अपनी अलग पहचान बनाई और उन्हें बॉलीवुड की 'फैशनिस्टा' के रूप में भी जाना जाता है। साल 2018 में सोनम कपूर ने उद्योगपति आनंद आहूजा से शादी की। शादी के बाद उन्होंने फिल्मों से थोड़ी दूरी बनाई और परिवार को समय देना शुरू किया। साल 2022 में वह बेटे वायु की मां बनीं। वह सोशल मीडिया के माध्यम से अपने फैंस से लगातार जुड़ी रहती हैं।

छोटे पर्दे की 'शोमैन' एकता कपूर: टैलेंट पहचानने से ट्रेंड बनाने तक, तीन दशक से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री पर राज

नई दिल्ली/एजेन्सी

भारतीय टेलीविजन की बात हो और एकता कपूर का नाम न आए, ऐसा शायद ही कभी हो। पिछले तीन दशकों में अगर किसी एक शख्स ने छोटे पर्दे की दुनिया को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है, तो वह हैं एकता कपूर। उन्हें यूं ही 'कंटेंट क्वीन' नहीं कहा जाता। उन्होंने सिर्फ टीवी शो नहीं बनाए, बल्कि ऐसे किरदार, कहानियां और ट्रेंड्स गढ़े जो लोगों की जिंदगी और बातचीत का हिस्सा बन गए। 7 जून 1975 को जन्मीं एकता कपूर ने उस दौर में टेलीविजन की दुनिया में कदम रखा, जब मनोरंजन के विकल्प बेहद सीमित थे लेकिन उन्होंने भारतीय दर्शकों की नब्ज को जिस तरह समझा, उसने उन्हें बाकी निर्माताओं से अलग खड़ा कर दिया।

उनकी कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स ने भारतीय टेलीविजन को ऐसे शो दिए, जिन्होंने टीआरपी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए और घर-घर में अपनी पहचान बनाई। एकता कपूर के धारावाहिकों के किरदार इतने लोकप्रिय हुए कि लोग उन्हें अपने परिवार का हिस्सा मानने लगे। इसका सबसे बड़ा उदाहरण था 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में मिहिर विरानी की मौत। यह सिर्फ एक कहानी का मोड़ नहीं था, बल्कि एक राष्ट्रीय घटना बन गई थी। दर्शकों ने विरोध किया, भावुक हुए और आखिरकार शो के निर्माताओं को मिहिर को वापस लाना पड़ा। यह भारतीय टेलीविजन के इतिहास के सबसे चर्चित पलों में से एक बन गया।

इसी तरह 'कसौटी जिंदगी की' की कोमोलिका को कौन भूल सकता है? उर्वशी ढोलकिया का यह किरदार सिर्फ एक खलनायिका का नहीं था, बल्कि एक पॉप कल्चर आइकॉन बन गया। उनकी स्टाइलिश बिंदी, ड्रामैटिक एंट्री और बैकग्राउंड म्यूजिक ने ऐसा असर छोड़ा कि आज भी कोमोलिका का नाम लेते ही वह छवि आंखों के सामने आ जाती है।एकता कपूर ने सिर्फ ड्रामा नहीं रचा, बल्कि ट्रेंड भी बनाए। 'कुटुंब' और 'कहीं तो होगा' जैसे शोज ने रोमांस को नए अंदाज में पेश किया। ऑफिस रोमांस की कहानियों ने युवाओं के बीच एक नया क्रेज पैदा किया। वहीं 'नागिन' के जरिए उन्होंने सुपरनेचुरल फिक्शन को मुख्यधारा में ला खड़ा किया। मौनी रॉय का इच्छाधारी नागिन वाला किरदार इतना लोकप्रिय हुआ कि यह शो भारतीय टेलीविजन की सबसे सफल फ्रेंचाइजी में शामिल हो गया।

एकता कपूर की सफलता सिर्फ उनके शोज तक सीमित नहीं है। उन्हें इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन 'टैलेंट स्पॉटर' भी माना जाता है। उन्होंने कई ऐसे कलाकारों को मौका दिया, जो आगे चलकर बड़े सितारे बने। विद्या बालन को शुरुआती पहचान 'हम पांच' से मिली। आज वही विद्या भारतीय सिनेमा की सबसे सम्मानित अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं।

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को भी घर-घर तक पहुंचाने का श्रेय काफी हद तक एकता कपूर को जाता है। 'पवित्र रिश्ता' के मानव के रूप में उन्होंने करोड़ों दर्शकों का दिल जीता और यहीं से उनके फिल्मी करियर की मजबूत नींव पड़ी। इसी तरह मौनी रॉय, प्राची देसाई, अनीता हसनंदानी, राधिका मदान और कई अन्य कलाकारों को भी एकता कपूर के मंच से पहचान मिली। यही वजह है कि इंडस्ट्री में उन्हें सिर्फ निर्माता नहीं, बल्कि 'स्टारमेकर' भी कहा जाता है।

एकता कपूर की एक और खासियत यह रही कि उन्होंने समय के साथ खुद को लगातार बदला। जब टीवी का दौर चरम पर था, तब उन्होंने छोटे पर्दे पर राज किया और जब डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का दौर आया तो उन्होंने वेब कंटेंट की दुनिया में भी अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। वह दर्शकों की बदलते पसंद को समझती रही और उसी के अनुसार कंटेंट तैयार करती रही। उनकी मेहनत और योगदान को देश-दुनिया में कई बड़े सम्मान मिले हैं। पद्म श्री के साथ ही एकता कपूर को बिजनेस, मीडिया और मनोरंजन जगत के कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

हाई लाइफ के आगाज के साथ छाई रौनक

सीज़न के लिए एक्सक्लुसिव कलेक्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। फ़ैशन और लाइफ़स्टाइल प्रदर्शनी हाई लाइफ़ का यहां हयात रिजेंसी में जोरदार आगाज हुआ। इसमें सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक भरपूर रौनक छाई रही। देश की प्रमुख फ़ैशन, स्टाइल, डेकोर और लक्ज़री एग्ज़िबिशन अपने शानदार एडिशन के साथ आई है। यह 10 जून को भी जारी रहेगी।

आयोजकों ने बताया कि पूरे देश से 150 से ज़्यादा बेहतरीन डिज़ाइनर्स और लाइफ़स्टाइल ब्रांड्स को एक साथ लाने वाली यह प्रदर्शनी शॉपिंग का शानदार अनुभव दे रही है। इसमें डिज़ाइनर वियर, एथनिक परिधान, ब्राइडल कलेक्शन, ज्वैलरी, लग्ज़री एक्सेसरीज़, होम डेकोर, गिफ़्टिंग के आइडिया और भी बहुत कुछ शामिल हैं।

फ़ैशन के शौकीन, भावी दुल्हनें, उद्यमी, सोशलाइट और ट्रेंडसेटर इस सीज़न के लिए खास तौर पर तैयार किए गए एक्सक्लूसिव कलेक्शन देख सकते हैं, जो हाई लाइफ़ को लग्ज़री शॉपिंग और स्टाइल इंस्पिरेशन के लिए एक ज़रूरी डेस्टिनेशन बनाते हैं।

इस इवेंट की शान एवं आकर्षण को और बढ़ाने के लिए कई खास मेहमान इसमें शामिल होंगे। इनमें क्षीर वसुधा कुमार (निदेशक, नवीन हाउसिंग एंड प्रॉपर्टीज़ प्रा. लि.; संस्थापक, अरिमाथुम्बी इवेंट वेन्यू; हेड ऑफ़ बिज़नेस डेवलपमेंट, रेविवो क्लिनिक) और डॉ. सुसान वर्गीस (उपाध्यक्ष, हिंदुस्तान ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस; निदेशक, हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स एंड साइंस; मेडिकल डायरेक्टर, स्मार्ट विज़न हॉस्पिटल; निदेशक, हिंदुस्तान कम्युनिटी कॉलेज) और निशा उमागोपाल (संस्थापक एवं सीईओ, मुद्रा स्टाइलिश स्टेशन प्रा. लि.) शामिल हैं। 'अर्ली बर्ड' तोहफ़ों की वजह से यह प्रदर्शनी और भी रोमांचक हो जाएगी।

हाई लाइफ़ के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ एबी डोमिनिक ने कहा, 'चेन्नई हमेशा से हमारे सबसे जीवंत और फ़ैशन को लेकर जागरूक बाज़ारों में से एक रहा है। इस एडिशन में पूरे भारत से डिज़ाइनर्स, लक्ज़री ब्रांड्स और लाइफ़स्टाइल कॉन्सेप्ट्स का शानदार कलेक्शन एकसाथ लाया गया है। हमें विज़िटर्स को खरीदारी का ऐसा अनुभव देने में खुशी हो रही है, जो क्रिएटिविटी, कारीगरी और इनोवेशन का जश्न है।'

पुण्य की पुष्टि और आत्मा की शुद्धि, दोनों का आधार है धर्म : आचार्य कुलबोधिसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां प्रिंस कोर्टयार्ड जैन संघ में आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म.सा. ने मंगलवार की धर्मसभा में धर्म की महिमा का अत्यंत प्रभावशाली विवेचन करते हुए कहा कि धर्म केवल मंगल नहीं, बल्कि सर्वश्रेष्ठ मंगल है। संसार में अनेक प्रकार के मंगल बताए जाते हैं, किंतु धर्म के समान श्रेष्ठ मंगल दूसरा कोई नहीं है। आचार्यश्री ने व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि लोग दही, गाय आदि को शुभता और मंगल का प्रतीक मानते हैं, परंतु शास्त्रों की दृष्टि में ये केवल द्रव्य मंगल हैं, जबकि धर्म भाव मंगल है। उन्होंने कहा कि जहां धर्म होता है, वहां विजय होती है, पराजय नहीं। धर्म मनुष्य को केवल सांसारिक उन्नति ही नहीं देता, बल्कि आत्मकल्याण का मार्ग भी प्रशस्त करता है। उन्होंने धर्म के दो प्रमुख फलों का वर्णन करते हुए कहा कि पहला फल पुण्य की पुष्टि और दूसरा आत्मा की शुद्धि है। पुण्य की पुष्टि से जीवन में धन, वैभव, स्वास्थ्य और अनुकूलताएं प्राप्त होती हैं, जबकि आत्मा की शुद्धि मनुष्य को मोह-मूर्छा से मुक्त कर परमात्मा की ओर अग्रसर करती है। उन्होंने उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं को आत्मचिंतन का संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं से पूछना चाहिए कि उसका विश्वास केवल पुण्य की प्राप्ति में है या आत्मा की शुद्धि में।

आचार्यश्री ने कहा कि धर्म की आराधना तीन आधारों करण, उपकरण और अंतःकरण से सम्पन्न होती है। करण अर्थात साधन के रूप में शरीर को उन्होंने धर्म का सर्वोत्तम माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि शरीर ही धर्म और मोक्ष का द्वार है। इसी शरीर से पाप भी होता है और धर्म भी। इसलिए यह मानव शरीर भोग-विलास के लिए नहीं, बल्कि योग और आत्मकल्याण की साधना के लिए प्राप्त हुआ है। शरीर नश्वर और मल-मूत्रमय होने पर भी इसी के माध्यम से मोक्ष की प्राप्ति संभव है।

उपकरण की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि धर्म में सहायक बनने वाले सभी साधन उपकरण हैं, जबकि दुर्गति की ओर ले जाने वाले साधन अधिकरण हैं। तिजोरी, कपाट और फ्रीज जैसे उदाहरणों के माध्यम से उन्होंने बताया कि यदि इनका उपयोग केवल संग्रह और स्वार्थ के लिए हो तो ये पाप के साधन बन जाते हैं। उन्होंने समाज के कमजोर और जरूरतमंद साधर्मिकों की सहायता करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि अधिकरण को उपकरण बनाने की कला ही वास्तविक धर्म है।

प्रवचन के अंतिम चरण में आचार्यश्री ने अंतःकरण को धर्म साधना का सर्वोच्च आधार बताया। उन्होंने कहा कि जैसे स्विच करण है, बल्ब उपकरण है और उन्हें जोड़ने वाली वायर अंतःकरण है, वैसे ही धर्म की सच्ची आराधना के लिए निर्मल अंतःकरण अनिवार्य है। केवल करण और उपकरण पर्याप्त नहीं हैं; यदि अंतःकरण शुद्ध और जागृत हो तो आत्मा में केवलज्ञान प्राप्त करने की भी क्षमता विकसित हो सकती है।

एक वृद्ध महिला के प्रेरक दृष्टांत का उल्लेख करते हुए आचार्यश्री ने कहा कि शरीर वृद्ध हो सकता है, साधन सीमित हो सकते हैं, किंतु यदि अंतःकरण निर्मल और धर्ममय है तो आत्मा उच्च गति प्राप्त कर सकती है।

उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से प्रश्न किया कि आज हमारे पास शरीर भी है, साधन भी हैं, किंतु क्या हमारा अंतःकरण धर्ममय है? इसी आत्ममंथन के साथ उन्होंने सभी को धर्म की सच्ची आराधना करने का संदेश दिया। आचार्यश्री के प्रेरणादायी उद्बोधन का श्रवण कर बड़ी संख्या में उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने धर्म आराधना का संकल्प लिया।

स्वाध्याय सेवा हेतु प्रशिक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। बेसिन वाटर वर्क्स साहूकारपेट में स्थित स्वाध्याय भवन में स्वाध्याय सेवा हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। वरिष्ठ स्वाध्यायी वीरेन्द्र कांकरिया ने प्रश्न व्याकरण सूत्र के प्रथम संवर द्वार के अंतर्गत अहिंसा संवर का वांचन व विस्तृत विवेचन किया।

स्वाध्यायी इंदरचंद कर्णावट ने गुरु भगवन्तों की स्तुति गान करते हुए गुरु के उपकारों का उल्लेख किया। दीपक श्रीश्रीमाल ने तरुण बोहरा तीर्थ द्वारा रचित हृदयस्पर्शी रचना का गान करते हुए मानव भव को सार्थक करने की बात कही। गौतमचन्द मुणोत ने सिद्ध बनने के लिए हमारी क्या तैयारी होनी चाहिए, विषय पर भाव रखे।

योगेश श्रीश्रीमाल ने प्रमोदमुनि द्वारा बताए मानव जीवन के लिए सफलता के त्रिसूत्र, लक्ष्य पर दृष्टि, सतत पुरुषार्थ व अनन्त धैर्य पर विवेचन किया। पदमचन्द श्रीश्रीमाल ने गुरु भगवन्तों, स्वाध्यायी व पुत्र की प्रेरणा के प्रति कृतज्ञता भरे भाव रखे। आर नरेन्द्र कांकरिया ने कहा कि हमें नव तत्वों की विस्तृत जानकारी करनी हैं व प्रभु की वाणी पर दृढ़ श्रद्धा रखनी चाहिए किसी भी प्रकार से शंका नहीं रखनी हैं, धर्म के कार्यों में करेमि व कारवेमि व पाप के कार्यों में ना करेमि और ना करवेमि सिध्दांत पर अडिग रहना चाहिए।

वरिष्ठ श्रावक रुपराज सेठिया ने क्षमा की महत्ता बताते हुए हृदयस्पर्शी रचना सुनाई।

वीरपिता बाबू धनपतराज सुराणा ने जिनवाणी के सूत्रों का उल्लेख किया। महावीरचन्द बागमार ने प्राप्त दुर्लभ मानव जीवन से सार निकालने हेतु सम्यक पुरुषार्थ करने पर विस्तृत प्रकाश किया। सहज सुराणा ने समय का सदुपयोग करने के लिए अपनी दिनचर्या की दैनिक डायरी बनाकर उसका अवलोकन करते हुए जीवन को बदलने के सुन्दर भाव रखे। कमल चोरडिया ने कर्मों पर चर्चा करते हुए जरा कर्म देख कर करिए, इन कर्मों की बहुत बुरी मार हैं प्राथना पर विस्तृत प्रकाश किया।

संकल्प सूत्र, मनोरथ चिन्तन, व्रत, प्रत्याख्यान, सामूहिक नियम, गुरु सुखसाता पृच्छा के पश्चात पदमचन्द श्रीश्रीमाल द्वारा मंगल पाठ के साथ स्वाध्यायी प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

बादलचंद सायरचंद चोरड़िया जैन विद्यालय ने शताब्दी वर्ष में रखा कदम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। साहूकारपेट स्थित बादलचंद सायरचंद चोरड़िया जैन विद्यालय मैट्रिकुलेशन स्कूल (श्री एस.एस. जैन एजुकेशनल सोसाइटी की इकाई) में विद्यालय के 100वें वर्ष में प्रवेश करने के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

शताब्दी स्वागत - एक धन्य शुरुआत विषय के साथ आयोजित इस समारोह ने विद्यालय की गौरवशाली शैक्षिक यात्रा के 99 वर्षों को स्मरण करते हुए शताब्दी वर्ष (1926-2026) का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का उद्घाटन एसएस जैन एजुकेशनल सोसाइटी के अध्यक्ष पदमचंद चोरड़िया तथा मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षानिदेशालय के निदेशक डॉ. एस. कण्णप्पन द्वारा किया गया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में संयुक्त निदेशक डॉ. वी.जयकुमार, तमिल शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. जे. प्रेमा क्रिस्टी एवं तमिलनाडु की सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार विजेता, तथा डॉ. पी. पूँगावनम, सचिव, तमिल शिक्षक संघ, चेन्नई उपस्थित रहे।

उन्होंने शताब्दी वर्ष के प्रथम दिवस स्वागत समारोह की शोभा बढ़ाई और विद्यार्थियों को प्रेरणादायक संदेश प्रदान किए। समारोह में पारंपरिक मंगलाचरण एवं प्रार्थना, विशिष्ट अतिथियों का आत्मीय स्वागत, गुब्बारा विमोचन, शताब्दी प्रतिज्ञा, स्मृति-उपहार वितरण तथा हमारी विरासत की आवाज़ें जैसे विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। अतिथियों ने विद्यालय की उपलब्धियों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा एवं संस्कारों के मार्ग पर अग्रसर रहने के लिए प्रेरित किया।

यह कार्यक्रम विद्यालय के पत्राचारक एस. अजयकुमार चोरड़िया, सचिव ए. सुमेरचंद चोरड़िया, प्रधानाध्यापिका एम. मालिनी, समिति सदस्यों, अभिभावकों एवं शिक्षकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। समारोह में एजी जैन विद्यालय की प्रधानाध्यापिका डॉ. के. जयश्री तथा विद्यालय के सचिव दलजीत सिंह ढ्ढा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

तमिलनाडु स्कूल शिक्षा निदेशक द्वारा विद्यालय का औचक निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के स्कूल शिक्षा निदेशक डॉ. एस कन्नप्पन एवं चेन्नई जिले के शिक्षा अधिकारी एम मुरुगन ने साहूकारपेट स्थित एजी जैन हायर सेकेंडरी विद्यालय का औचक निरीक्षण किया।

अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. जयश्री तथा विद्यालय प्रबंधन के सचिव दलजीत सिंह ढ्ढा कार्यालय कर्मचारी शिक्षक उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान शिक्षा निदेशक ने विद्यार्थियों की शिक्षा को अधिक बाल-केंद्रित, रोचक और प्रभावी बनाने हेतु विद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। विशेष रूप से विद्यालय में फॉनिकस तथा वेदर क्लब जैसी नवीन अवधारणाओं के सफल प्रयासों की प्रशंसा की।

सीएसआईआर-एसईआरसी ने अपना स्थापना दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सीएसआईआर-स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग रिसर्च सेंटर (सीएसआईआर-एसईआरसी) ने अपने चेन्नई परिसर में अपना 61वां स्थापना दिवस मनाया। सीएसआईआर-एसईआरसी के निदेशक डॉ. एन. आनंदवल्ली ने संस्थान की नवाचार, परिसंपत्ति प्रबंधन और आपदा-रोधी बुनियादी ढांचे की छह दशक की विरासत पर प्रकाश डाला। गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी), वडोदरा के कुलपति प्रोफेसर मनोज चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। परिवहन अवसंरचना के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए, सीएसआईआर-एसईआरसी और जीएसवी के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह रणनीतिक गठबंधन रेलवे संरचनात्मक अभियांत्रिकी में अनुसंधान एवं विकास तथा उन्नत कौशल विकास के लिए एक सहयोगात्मक ढांचा स्थापित करता है, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से परीक्षण, प्रौद्योगिकी नवाचार और परामर्श के माध्यम से भारतीय रेलवे और व्यापक परिवहन क्षेत्र को सहयोग प्रदान करना है।

समारोहों के साथ ही, प्रो. चौधरी ने कैंपस में सस्टेनेबल इंजीनियर्ड रिसाइकल्ड कंक्रीट (एसईआरसी) डेमोंस्ट्रेशन बिल्डिंग का वर्चुअल उद्घाटन किया। सीएसआईआर के मिशन मोड प्रोजेक्ट 'वेस्ट टू वेल्थ' के तहत विकसित, 1,953 वर्ग फुट का यह कार्यालय-स्तरीय भवन चक्रीय अर्थव्यवस्था के लिए पर्यावरण-अनुकूल समाधानों का प्रदर्शन करता है। इस भवन में सीएसआईआर-एसईआरसी द्वारा विकसित नवीन सामग्रियों का उपयोग किया गया है, जिनमें स्लैग-सीमेंट आधारित रिसाइकल्ड कंक्रीट (100 प्रतिशत रिसाइकल्ड रेत और 50 प्रतिशत रिसाइकल्ड मोटे एग्रीगेट का उपयोग), बाहरी दीवारों के लिए बिना पकाए रिसाइकल्ड एग्रीगेट ईंटें और आंतरिक विभाजनों के लिए खोखले ब्लॉक शामिल हैं। एक टन रिसाइकल्ड स्टील रीइन्फोर्समेंट का उपयोग करके, सुपरस्ट्रक्चर ने पारंपरिक निर्माण की तुलना में अंतर्निहित कार्बन में 32 प्रतिशत की कमी और सामग्री लागत में 50 प्रतिशत से 55 प्रतिशत की कमी हासिल की है, जो हरित और लागत प्रभावी सिविल इंजीनियरिंग का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

नाथों के नाथ दीनानाथ, भगवान जगन्नाथ : युगलशरण महाराज

माहेश्वरी भवन में जगन्नाथ कथा का हुआ समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में ओकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में पुरुषोत्तम मास के अवसर पर गतिमान पांच दिवसीय भगवान श्री जगन्नाथ कथा का मंगलवार को विश्राम हुआ। विश्राम दिवस पर कथावाचक गौडिया वैष्णवाचार्य युगलशरणजी महाराज की निश्रा में प्रातः हवन हुआ। कथा वाचक युगलशरण जी महाराज ने बताया कि नाथों के नाथ दीनानाथ हैं भगवान जगन्नाथ। जिसका कोई नहीं होता उसके होते हैं भगवान जगन्नाथ। उन्होंने बताया कि आप जब रसोई में भोजन बनाते हैं तब स्वयं लक्ष्मी रसोई में निवास करती है। भोजन को भगवान का प्रसाद समझकर ग्रहण करना चाहिए। प्रसाद का एक कण भी नीचे गिरना नहीं चाहिए। प्रसाद का कभी अनादर नहीं करना चाहिए।

उन्होंने चैतन्य महाप्रभु की कथा सुनाते हुए कहा कि चैतन्य महाप्रभु ने कभी कोई ग्रन्थ नहीं लिखा, उन्होंने अपने जीवन में मात्र आठ श्लोक लिखे और उन्हीं का आचरण करते हुए जीवन जिया।

उन्होंने कहा कि गुरु चरणों पर हमेशा विश्वास करना चाहिए। हर एक मनुष्य के जीवन में गुरु का होना बहुत जरूरी है। गुरु के बिना ज्ञान की प्राप्ति नहीं हो सकती। गुरु हमेशा जीवन में सर्वोपरि है। गुरु में सच्ची निष्ठा होनी चाहिए। राजा कुलशेखर ने भगवान जगन्नाथ को ही अपना गुरु माना था। ङ्गविश्राम दिवस पर बिमला चांडक ने सभी का स्वागत किया। अध्यक्ष विजयलक्ष्मी सारड़ा, सचिव शोभा भूतड़ा के साथ संगठन की अन्य सदस्याओं ने महाराज युगलशरण जी का सम्मान किया। शैलू सारड़ा ने धन्यवाद दिया। माहेश्वरी सभा व युवा संघ के प्रतिनिधियों ने व्यासपीठ से आशीर्वाद प्राप्त किया। आरती के साथ भगवान जगन्नाथ की कथा का विश्राम हुआ।

विफा के पोंडा गोवा चैप्टर के अध्यक्ष बने भवानी शंकर और भरत सिंह बने महामंत्री पोंडा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोवा। विप्र फाउंडेशन जोन-12 -, पोंडा गोवा चैप्टर की साधारण सभा रखी गई। बैठक का संचालन करते हुए गणेश शर्मा ने जोन अध्यक्ष गोपी किशन जोशी, रीजनल महामंत्री (दक्षिण) भगवान व्यास एवं भवानी शंकर पुरोहित को भगवान परशुराम की पूजा के लिए आमंत्रित किया। पूजा के पश्चात भगवान व्यास एवं गोपीकृष्ण जोशी का सम्मान किया गया। जोन अध्यक्ष ने अपने स्वागत भाषण में सभी को एकजुट हो कर विप्र फाउंडेशन को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा विप्र बंधुओं को संगठन में जोड़ें। क्षेत्रीय महामंत्री ने विप्र फाउंडेशन की स्थापना से लेकर अभी तक के किए गए राष्ट्रव्यापी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी।उन्होंने विप्र फाउंडेशन की नीतियों, उद्देश्यों और संगठन की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने भविष्य में विप्र फाउंडेशन की गतिविधियों को कैसे आगे बढ़ाना है, इस संबंध में सिलसिलेवार जानकारी दी। उन्होंने अपने संबोधन में सदस्यता से संबंधित विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि पोंडा, गोवा में जितने भी ब्राह्मण बंधु हैं उन सभी को संगठन का सदस्य बना कर सूची भेजें तत्पश्चात जोन प्रेसिडेंट गोपीकृष्ण जोशी ने वर्ष 2026से 2028 के मनोनीत पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की जिसमें अध्यक्ष भवानी शंकर पुरोहित, उपाध्यक्ष बीरेन्द्र कुमार तिवारी, उपाध्यक्ष प्रेमचंद शर्मा, महामंत्री भारत सिंह राजपुरोहित एवं उपमंत्री मुकेश शर्मा , उपमंत्री जोगेंद्र शर्मा, कोषाध्यक्ष हरिओम शर्मा, उप कोषाध्यक्ष सुरेश शर्मा को बनाया गया। कार्यकारणी समिति में पवन शर्मा, विजेंद्र कौशिक, अभिषेक मिश्रा, सुरेश शर्मा (धर्मा), आमसिंह राजपुरोहित , मंगला प्रसाद, भगड़ा राम राजपुरोहित और राकेश शर्मा के नामों की घोषणा की गई जिसका सभा में उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनुमोदन किया।बैठक में नवगठित कार्यकारिणी समिति का सम्मान रीजनल महामंत्री भगवान व्यास एवं जोन प्रेसिडेंट गोपीकृष्ण जोशी ने किया। बैठक में समाज के अनेक अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। धन्यवाद प्रस्ताव और राष्ट्रीय गान के पश्चात बैठक सम्पन्न हुई।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.